हिन्दी दैनिक

तीसरा विकल्प न्यूज़

(लखनऊ से प्रकाशित)

वर्षः- 02, अंकः-217, पृष्ठः-08, मूल्यः- 2 रु.
लखनऊ, सोमवार 20 जनवरी 2025

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हॉकी का रोमांचक फाइनल...02

राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में विज्ञान प्रदर्शनी एवं...06

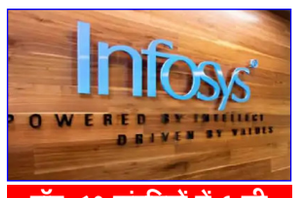

टॉप-10 कंपनियों में 6 की वैल्यू 1.71 लाख करोड़ गिरी

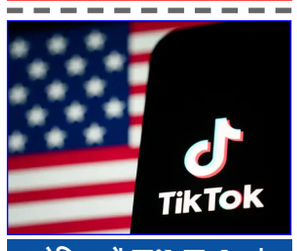

अमेरिका में TikTok बंद

बेहतर सर्विस के लिए बदल सकते हैं हेल्थ-इंश्योरेंस कंपनी

संक्षिप्त

केजरीवाल पर हमला चुनावी मुद्दे को भटकाने की साजिश

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामांकन का दौर समाप्त हो गया है। नयी दिल्ली विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित और कालकाजी से कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा अपने-अपने क्षेत्र में चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गाड़ी पर हुए हमले को चुनाव के समय मुद्दा भटकाने की साजिश करार दिया। कालकाजी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी अलका लांबा ने कहा कि इलाके में लोग बिजली के तारों के जाल के बीच जी रहे हैं। छोटी सी चिंगारी भी खतरनाक रूप ले सकती हैं। यहां पर सड़कें खुदी हुई हैं और चारों तरफ गंदगी है। आतिशी दावा कर रही हैं कि दिल्ली में सत्ता वापसी के बाद नई शराब नीति लागू करेंगी। लेकिन हम अरविंद केजरीवाल और उनकी भ्रष्ट सरकार की नई शराब नीति लागू नहीं होने देंगे।

भुवनचंद्रन ने छोड़ी शिवसेना

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व प्रचारक एवं केरल में शिवसेना इकाई का गठन करने वाले एमएस भुवनचंद्रन ने पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे की कार्यशैली से असहमति के बाद पार्टी छोड़ दी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री भुवनचंद्रन ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि शिवसेना हिंदुत्व के अलावा किसी अन्य राजनीति के बारे में नहीं सोच सकती है और श्री उद्धव ठाकरे की शैली हिंदुत्व को कमजोर कर रही है। श्री भुवनचंद्रन पिछले 34 वर्षों से पार्टी की राज्य इकाई का नेतृत्व कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पूर्व शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे के साथ उनका जुड़ाव 1987 में शुरू हुआ था और तीन साल बाद केरल में शिव सेना इकाई का गठन किया गया। उन्होंने केरल में शिवसेना इकाई के गठन के बाद कई सेवा गतिविधियाँ शुरू की जिनमें मुफ्त एम्बुलेंस सेवा, अस्पतालों में मुफ्त भोजन और स्वैच्छिक रक्तदान शामिल हैं।

महाकुंभ मेले में आग, गीता प्रेस के 180 कॉटेज जले

खाना बनाते वक्त सिलेंडर ब्लास्ट की आशंका, एक घंटे में काबू पाया

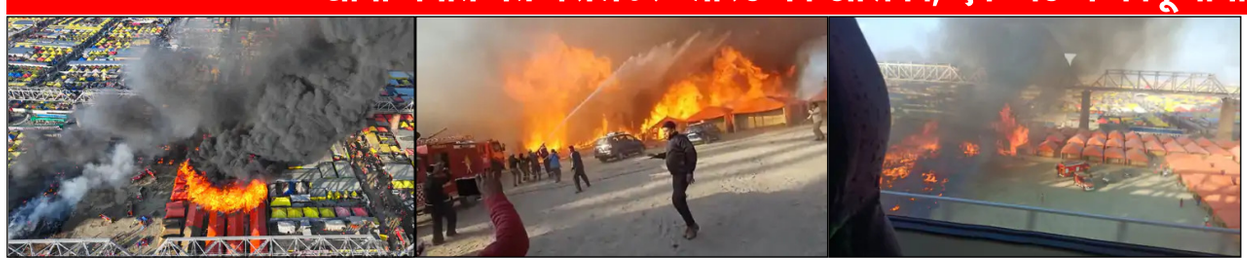

प्रयागराज, संवाददाता। प्रयागराज में महाकुंभ के मेला क्षेत्र में रविवार शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई। शास्त्री ब्रिज के पास सेक्टर 19 में गीता प्रेस के कैंप में ये आग लगी। गीता प्रेस के 180 कॉटेज आग में जल गए। अफसरों के मुताबिक, खाना बनाते समय सिलेंडर ब्लास्ट हो गया था। इसके बाद कई सिलेंडर ब्लास्ट हो गए। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ियां भेजी गई थीं, जिन्होंने आग पर एक घंटे में काबू पाया। एक संन्यासी के एक लाख रुपए के नोट भी जल गए। मेला सीएफओ (चीफ फायर ऑफिसर) प्रमोद शर्मा ने बताया कि आग से करीब 500 लोगों को बचाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटनास्थल पर पहुंच कर हालात का जायजा लिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी सीएम योगी को फोन कर घटना की पूरी जानकारी ली। आग लगने की घटना से कुछ देर पहले ही उन्होंने हेलिकॉप्टर से महाकुंभ मेला क्षेत्र का जायजा लिया था। फायर ऑपरेशन के लिए तैनात है एडब्यूटी, 50 फायर फाइटिंग पोस्ट महाकुंभ नगरी में फायर ऑपरेशंस के लिए एडवांस्ड फीचर वाले 4 आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर (एलडब्यूटी) तैनात की गई हैं। इनमें वीडियो-थर्मल इमेजिनिंग जैसा एडवांस सिस्टम है। इसका इस्तेमाल बहुमंजिली और ऊंचाई वाले टेंट की आग बुझाने के लिए किया जाता है। एलडब्यूटी 35 मीटर की ऊंचाई तक आग बुझा सकती है। महाकुंभ मेला क्षेत्र को फायर फ्री बनाने के लिए यहां 350 से ज्यादा फायर ब्रिगेड, 2000 से ज्यादा ट्रेंड मैनपावर, 50 अग्निशमन केंद्र और 20 फायर पोस्ट बनाए गए हैं। अखाड़ों और टेंट में फायर प्रोटेक्शन इक्विपमेंट लगाए गए हैं। गीता प्रेस के ट्रस्टी कृष्ण कुमार खेमका ने बताया, लगभग 180 कॉटेज बने हुए थे। हमने बहुत सावधानी से बनाया था। सभी को मना किया गया था कि किसी प्रकार का अग्नि का कोई काम ना करें। जहां हमने सीमा बनाई उसके पार सर्कुलेटिव एरिया घोषित किया गया था। पता नहीं प्रशासन ने वह जगह किसे दी... उस तरफ से अग्नि की कोई चीज हमारे तरफ आई और आग फैल गई। हमारा कुछ नहीं बचा सब खत्म हो गया। हमारी रसोई टीन शेड की थी, पक्की थी। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने गीता प्रेस से जुड़े लोगों से मुलाकात की। उन्होंने अग्निकांड से हुए नुकसान का भी जायजा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से महाकुंभ मेला क्षेत्र में आग लगने की घटना की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि कुशल फायर ब्रिगेड एवं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ की टीम ने समय रहते आग पर काबू पा लिया।

शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में लगी आग, कोई हताहत नहीं, मुख्यमंत्री योगी ने मौके का लिया जायजा

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र में शास्त्री ब्रिज के नीचे पंडालों में भीषण आग लग गई थी। यह आग मेले क्षेत्र के सेक्टर 19 में सिलेंडर फटने से लग गई थी। जिसमें 18 टेंट आग में जल गए। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 15-16 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। आग की घटना के बाद अस्पताल में तैयारी की गई है। गनीमत है कि अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटनास्थल का जायजा लेने के लिए मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का मुआयना करके अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं।

सोपोर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, जवानों ने दो दहशतगर्तों को घेरा

जम्मू, एजेंसी। सोपोर जिले के गुज्जरपेटी जलूरा इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच इस समय मुठभेड़ जारी है। सोपोर पुलिस और 22 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) सहित सुरक्षाबलों ने वन क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है, जहां कथित तौर पर आतंकवादी गुप्त ठिकाने में छिपे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, दो आतंकियों के अंदर छुपे होने की आशंका है।

ऑपरेशन जारी है। क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। यह घटनाक्रम 8 नवंबर, 2024 को सोपोर के पानीपोरा इलाके में इसी तरह के ऑपरेशन के बाद आया है, जहां सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया था। उस मिशन के दौरान हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई, जो क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने के निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करता है। सोपोर में पुलिस और सुरक्षाबलों द्वारा शुरू किए गए सीएएसओ (घेरा और तलाशी अभियान) के दौरान गोलियों की आवाज सुनाई दे रही है। पुलिस और एसएफ द्वारा शुरू किए गए सीएएसओ के दौरान एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। इसी दौरान अंदर से आग देखी गई, इलाके की घेराबंदी कर दी गई।

2047 तक भारत को विकसित देश बनाएंगे :राजनाथ

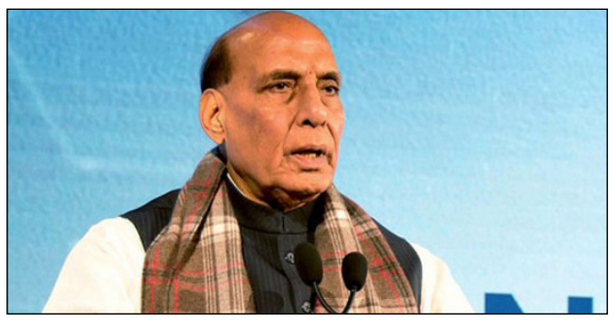

जौनपुर, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्था बन चुका है। शहर से गांव तक सबसे ज्यादा 5 जी यूजर्स है। हम 2047 तक भारत को विकसित देश बनाएंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ से रविवार को उत्तरप्रदेश में जौनपुर जिले के निजामुद्दीनपुर गांव में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगत नारायण दुबे के आवास पर आयोजित मांगलिक समारोह में भाग लेने के पश्चात पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत कुछ बोलता है, तो सारी दुनिया कान खोल कर सुनती है कि भारत बोल क्या रहा है। विज्ञानी सेना से जुड़े उपकरण भारत की धरती पर बना रहे हैं और दूसरे देशों को भी एक्सपोर्ट कर रहे हैं। देश में 1.30 लाख स्टार्टअप काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं को भारत का इतिहास पढ़ना चाहिए, हमारे इतिहास में हर क्षेत्र में भारत की उपलब्धि व्याप्त है। श्री सिंह ने पत्रकारों के सवालों का जबाब देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर भारत का मुकुट मणि है और इसके बिना जम्मू कश्मीर अधूरा है, पाकिस्तान के लिए यह एक विदेशी क्षेत्र से अधिक कुछ नहीं है वह इसका इस्तेमाल आतंक को शह देने व भारत विरोधी दुष्प्रचार के लिए कर रहा है। रक्षा मंत्री ने गुलाम जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग करार दिया और साथ ही पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि गुलाम जम्मू कश्मीर में आतंकी ट्रेनिंग कैम्प व लॉन्चिंग पैड खत्म कर दे नहीं तो उचित जवाब दिया जाएगा। रक्षा मंत्री ने इस वाक्य से पाकिस्तान को आतंकी शिविरों पर सर्जिकल स्ट्राइक व बालाकोट स्ट्राइक की याद भी दिला दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान जम्मू कश्मीर में आतंक को शह देने की साजिशें निरंतर जारी रखे हुए हैं। गुलाम जम्मू कश्मीर के प्रधानमंत्री अनवर उल हक के भारत विरोधी दुष्प्रचार पर रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान वहां लोगों को धर्म के नाम पर भारत के खिलाफ भड़काने की कोशिश कर रहा है और वहां के निवासियों पर अत्याचार करता है।

मोदी बोले, हमें विकास के साथ विरासत को सहेजना है

महाकुंभ में दुनियाभर से लोग आ रहे, ये सामाजिक एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'महाकुंभ को एकता और समता-समरसता का असाधारण संगम करार दिया और कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात की 118वीं कड़ी और साल 2025 की पहली कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए उन्होंने महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख किया और कहा कि जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व से जुड़ जाती है तो उसकी सभ्यतागत जड़े और मजबूत होती है और तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 25 जनवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय मतदाता दिवस का जिक्र करते हुए कहा कि यह दिन इसलिए अहम है, क्योंकि इसी दिन 'भारतीय निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी। उन्होंने कहा, ''हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान में हमारे चुनाव आयोग को, लोकतंत्र में लोगों की भागीदारी को, बहुत बड़ा स्थान दिया है। मैं चुनाव आयोग का भी धन्यवाद दूंगा, जिसने समय-समय पर, हमारी मतदान प्रक्रिया को आधुनिक बनाया है, मजबूत किया है। आयोग ने जन-शक्ति को और शक्ति देने के लिए, तकनीक की शक्ति का उपयोग किया।श्श् उन्होंने देशवासियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में अपने-अपने मताधिकार का उपयोग करने और देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया सशक्त बनाने का भी आह्वान किया। मोदी ने 'कुंभ, 'पुष्करम और 'गंगा सागर मेले का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पर्व सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। उन्होंने कहा, ''ये पर्व भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, ''कुंभ में दक्षिण, पश्चिम और हर कोने से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब और अमीर सब एक हो जाते हैं और सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं। एक साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हैं। तभी तो कुंभ एकता का महाकुंभ है। कुंभ का आयोजन हमें यह भी बताता है कैसे हमारी परंपराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं। उन्होंने कहा कि इस बार कुंभ में युवाओं की भागीदारी बहुत व्यापक रूप में नजर आई है। उन्होंने कहा, ''जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व के साथ जुड़ जाती है तो उसकी जड़े और मजबूत होती है और तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है। प्रधानमंत्री ने 'मन की बात के इस कार्यक्रम में पौष द्वादशी के दिन अयोध्या में राम मंदिर में राम लाल की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ का भी जिक्र किया और कहा कि प्राण प्रतिष्ठा की यह द्वादशी भारत की सांस्कृतिक चेतना की पुनः प्रतिष्ठा की द्वादशी बन गई।

बिहार के कटिहार में बड़ा हादसा, नाव पलटने से 4 की मौत, कई लापता

कटिहार, एजेंसी। बिहार के कटिहार जिले में गंगा नदी में एक बड़ा हादसा हुआ है। यहां एक नाव डूबने से अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इसके अलावा लगभग 10 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं यह घटना अमदाबाद थाना क्षेत्र के गदाई दियारा इलाके की है। नाव में कुल 17 लोग सवार थे जो खेतों की ओर जा रहे थे। बताया जाता है कि नाव पर ज्यादा लोग सवार होने के कारण नाव डगमगाने लगी और गंगा नदी के बीचों-बीच डूब गई। मरने वालों में 60 वर्षीय पवन कुमार और 70 साल के सुधीर मंडल की पहचान हो चुकी है। तीसरे और चौथे मृतक की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया और कई परिवारों के लोग अपने प्रियजनों की तलाश में घाट पर जुट गए।

यूपी : मिल्कीपुर सीट पर अगड़ा वोट बनेगा ट्रंप कार्ड

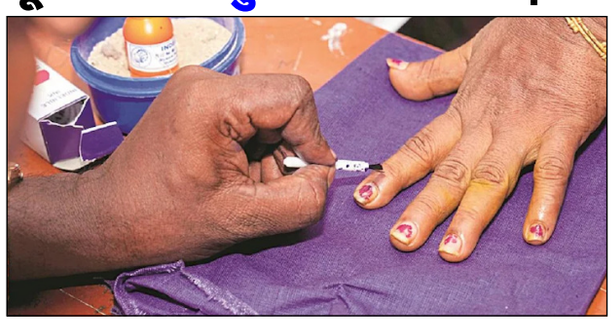

अयोध्या, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव में दलित, पिछड़ा के साथ अगड़ा वोट खासकर ब्राह्मण भी ट्रंप कार्ड है। इसको पाने की चुनौती सपा और भाजपा दोनों के सामने होगी। दोनों दल इसे साधने में जुटे हैं। राजनीतिक जानकार बताते हैं कि अयोध्या के मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए भाजपा की तरफ से भी प्रत्याशी का ऐलान होते ही अब सपा और भाजपा के बीच ही सीधी लड़ाई नजर आ रही है। एक चुनावी आंकड़े के मुताबिक इस विधानसभा क्षेत्र में पासी बिरादरी के बाद सर्वाधिक ब्राह्मण मतदाता हैं। इस वर्ग को अपने-अपने पाले में लाने के लिए भाजपा और सपा हाथ-पांव मार रही है। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक राजीव श्रीवास्तव कहते हैं कि मिल्कीपुर विधानसभा में अभी तक की राजनीति देखें तो यहां पर अपर कास्ट का वोट बहुत महत्वपूर्ण है। उसमें भी इस चुनाव में सबसे ज्यादा ब्राह्मण मतदाता ट्रंप कार्ड साबित होगा। क्योंकि जितना वहां पासी समाज का वोट है, उतना ही करीब-करीब ब्राह्मण समाज का भी वोट बैंक है। अवधेश प्रसाद को मित्रसेन के कारण यादव वोट बैंक पूरा नहीं मिलता था। इस वोट बैंक में बिखराव हो जाता था। मित्रसेन के बाद उनके बेटे आ गए। जिस संख्या में और जगह यादव वोट बैंक मिलता, यहां नहीं मिलता था। इसी कारण वह पासी के साथ अपर कास्ट को साधते रहे हैं। अगड़े वोट बैंक को उन्होंने साध रखा था। वह पासी, कुछ यादव और ब्राह्मण के कॉम्बिनेशन से जीतते आए हैं। 2017 में लहर के कारण भाजपा को जीत मिली थी। अगड़ा वोट बैंक भाजपा में शिफ्ट हो गया था। राजीव ने बताया कि यादव वोट बैंक को एक करने के लिए सपा मुखिया ने मित्रसेन के बेटे आनंद सेन को एक करने की कोशिश की है। अब देखना है कि वह कितना रंग लाता है। उन्होंने बताया कि इस बार भी भाजपा के पासवान उम्मीदवार उतारने के कारण पासी वोट बैंक में बिखराव होगा। जीत के लिए अगड़ा वोट बैंक जरूरी है। वो जिधर चला गया, उसकी जीत सुनिश्चित है।

सैफ अली खान हमला: 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया आरोपी शहजाद

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी को लेकर रविवार को पुलिस बांद्रा कोर्ट में पेश किया। अदालत ने आरोपी मोहम्मद शहजाद को 5 दिन की कस्टडी में भेज दिया। हालांकि पुलिस ने 14 दिनों की कस्टडी मांगी थी। पुलिस ने कोर्ट में पेश करने से पहले मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित भाभा हॉस्पिटल में आरोपी का मेडिकल करवाया। इस बीच आरोपी के वकील ने दावा किया है कि बांग्लादेश से घुसपैठ की बात निराधार है। पीड़ित सेलिब्रिटी है इस वजह से इस मामले को इतना तूल दिया जा रहा है। मामले में सरकारी वकील ने दलील दी , आरोपी को पता था कि किस इलाके में सेलिब्रिटी रहते हैं और वहां सुरक्षा होती है, इसके बावजूद वह अंदर पहुंचा। इसका मतलब उसने प्लानिंग की थी। उसकी किसने मदद की, कौन उसे सहारा दे रहा था।

दिल्ली में एनडीए की सरकार बनेगी :अमित शाह

प्राकृतिक आपदा में एनडीआरएफ और मैन मेड आपदा में एनडीए काम आती है

विजयवाड़ा, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा के पास नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट (छप्कड) के दक्षिणी परिसर और नेशनल डिजास्टर रिसपॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन परिसर के साथ अन्य प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। इस दौरान एक जनसभा में उन्होंने कहा कि जब कोई आपदा भगवान द्वारा भेजी जाती है तो एनडीआरएफमदद के लिए आती है। मैन मेड (मानव निर्मित) आपदा होती है तोएनडीए मदद के लिए आती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के बादएनडीए 2025 में दिल्ली में सरकार बनाएगी। शाह ने कहा कि आंध्र प्रदेश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का पूरा समर्थन है। केंद्र ने सिर्फ6 महीनों में राज्य के लिए 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी ब्ड पवन कल्याण और केंद्रीय मंत्री के राम मोहन नायडू भी मौजूद रहे। शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने हुडको और विश्व बैंक के माध्यम से राजधानी अमरावती के विकास के लिए 27 हजार करोड़ रुपए सुनिश्चित किए हैं। केंद्रीय मंत्री ने पिछली जगन रेड्डी की सरकार पर कटाक्ष करते हुए आंध्र प्रदेश के लोगों से बर्बाद हुए पिछले 5 सालों पर ध्यान न देने को कहा। एनडीआरएफ को लेकर गृह मंत्री ने कहा कि आज भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता के रूप में उभरा है और आपदा के निपटने के क्षेत्र में देश दुनिया का नेतृत्व कर रहा है।

राहुल गांधी के खिलाफ असम में गैर जमानती एफआईआर

3 दिन पहले कहा था- कांग्रेस भाजपा-आरएसएस और इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ रही है

गुवाहाटी, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में शनिवार को एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि राहुल ने भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले बयान दिए। बीएनएस की धारा 152 के तहत दर्ज एफआईआर गैर जमानती है। यानी अगर राहुल की गिरफ्तारी होती है तो उन्हें जमानत के लिए सीधे कोर्ट जाना पड़ेगा। एफआईआर गुवाहाटी हाईकोर्ट के वकील मोनजीत चेतिया ने दर्ज कराई है। चेतिया ने कहा कि, राहुल के बयान से देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया है। विपक्ष के नेता का सार्वजनिक मंच से दिया गया बयान साधारण राजनीतिक टिप्पणी नहीं है। दरअसल, 13 जनवरी को राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को राष्ट्रीय देवी अहिल्या पुरस्कार देने के लिए इंदौर में थे। समारोह में भागवत ने कहा था कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठा द्वादशी के तौर पर मनाया जाना चाहिए। इसे ही भारत का सच्चा स्वतंत्रता दिवस मानना चाहिए। 15 जनवरी को नए कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन के उद्घाटन में राहुल ने भागवत के बयान पर कहा- भाजपा, आरएसएस ने हर संस्था पर कब्जा कर लिया है। अब हम बीजेपी-आरएसएस और इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। मोनजीत चेतिया ने कहा कि राहुल गांधी की यह टिप्पणी बार-बार चुनावों में मिल रही हार की हताशा से प्रेरित थी। विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल पर लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास बनाए रखने की जिम्मेदारी है।

किसान आंदोलन: अनशन के 55वें दिन डल्लेवाल को ग्लूकोज चढ़ाया

पटियाला, एजेंसी। सभी फसलों की एमएसपी पर खरीद समेत 12 मांगों को लेकर 55 दिन से अनशन कर रहे 70 साल के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को ग्लूकोज चढ़ाया गया है। शनिवार को केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण विभाग के जॉइंट सेक्रेटरी पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर पहुंचे थे। उन्होंने डल्लेवाल से मिलकर मीटिंग का न्योता दिया। केंद्र की तरफ से बातचीत का प्रस्ताव मिलने के बाद किसानों ने डल्लेवाल को मेडिकल ट्रीटमेंट देने के लिए हामी भर दी और देर रात उन्हें ग्लूकोज चढ़ाया गया। अब चंडीगढ़ में 14 फरवरी को किसान संगठनों की भारत और पंजाब सरकार के मंत्रियों के साथ बैठक होगी। खनौरी बॉर्डर पर मीडिया से बातचीत करते हुए जॉइंट सेक्रेटरी प्रियरंजन ने कहा कि केंद्र को आमरण अनशन पर बैठे डल्लेवाल की सेहत की फिक्र है। हम यहां आए हैं।

जेपी नड्डा बोले,

अंबेडकर ने नहीं, इंदिरा ने संविधान में सेक्युलर-सोशलिज्म जोड़ा

अहमदाबाद, एजेंसी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भाजपा के कार्यक्रम संविधान गौरव अभियान के लिए अहमदाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा 75 में 65 साल कांग्रेस ने इस देश पर राज किया। उन्होंने संविधान खिलवाड़ किया। संसद में बिना पास कराए ही अनुच्छेद 35ए लागू कर दिया। नड्डा ने कहा कि अंबेडकर ने संविधान में सेक्युलर शब्द नहीं जोड़ा था। उन्होंने कहा था कि देश में सभी धर्मों को बराबर माना है, इसलिए सेक्युलर शब्द लगाने की आवश्यकता नहीं है। इस्लामिक स्टेट को संविधान में यह शब्द लगाने की जरूरत है। अंबेडकर ने यह भी कहा था कि भारत में कैसी सरकार हो, इसका फैसला जनता करेगी। इसलिए संविधान में सोशलिज्म और सेक्युलर शब्द नहीं जोड़ना चाहिए, लेकिन इंदिरा ने इन शब्दों को जोड़ा। इंदिरा ने ही इमरजेंसी लगाकर क्रूरता की। राहुल को न तो इतिहास की जानकारी है और न ही यह पता है कि राजीव, इंदिरा और नेहरू ने संविधान के साथ किस तरह छेड़छाड़ की थी। दरअसल, संसद के शीतकालीन सत्र में अमित शाह के अंबेडकर को दिए बयान की कांग्रेस ने आलोचना की थी। इसकी के जवाब में भाजपा ने संविधान गौरव अभियान शुरू किया। भाजपा के मुताबिक, इसका मकसद जनता के बीच संविधान के बारे में चर्चा करना है।

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हॉकी का रोमांचक फाइनल

⇨ फजलुर रहमान की टीम ने जीता हॉकी खिताब

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। प्रतिष्ठित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में हाल ही में आयोजित हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मैच एक यादगार मुकाबला रहा। इस रोमांचक मुकाबले में स्वर्गीय फजलुर रहमान साहब की टीम ने केडी सिंह बाबू स्टेडियम की टीम को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस खिताबी मुकाबले में दिखा दमखम फाइनल मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों को खूब रोमांचित किया। अंतत: स्वर्गीय फजलुर रहमान साहब की टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए विजय हासिल की। विजेता टीम को विजेता ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता टीम को रनर-अप ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, मोहम्मद साहिल 11 टीम के सभी खिलाड़ियों को सर्टिफिकेट दिए गए। इस टीम में कोच ऋषि और लता, कप्तान आराध्य और मिडफील्डर के रूप में पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी स्वर्गीय फरजाना खान की पुत्री सुश्री नेहा भी शामिल रही और सर्टिफिकेट प्राप्त किया । इस टूर्नामेंट में कई पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और सीनियर खिलाड़ी जैसे मोहम्मद सईद साहब भी मौजूद रहे। उन्होंने सभी बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ता इजहार अहमद ने बच्चों को खेल के महत्व के बारे में बताया और उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। यह टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत रहा होगा। इस तरह के आयोजन युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

डॉ. बिन्नो रिज़वी को फ़िराक़ गोरखपुरी अवार्ड से सम्मानित किया गया

तीसरा विकल्प न्यूज़ संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। रविवार को डॉ. बिन्नो रिज़वी को साहित्य संस्थान उत्तर प्रदेश द्वारा एक लाख रुपये की धनराशि, शॉल और प्रतीक चिन्ह के साथ फ़िराक़ गोरखपुरी अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय हॉल में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदान किया।डॉ. बिन्नो रिज़वी की पुस्तक जदीद ऊर्दू ग़ज़ल रिवायत व इख्तिरा आत को साहित्य जगत में बेहद सराहा गया है। इस पुस्तक का विमोचन पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी की ओर से किया गया था। डॉ. रिज़वी वर्तमान में नगर निगम में कर निर्धारण अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। यह पुरस्कार राज्य कर्मचारियों में साहित्य और कला के प्रति समर्पण को प्रोत्साहित करने के लिए दिया गया। डॉ. बिन्नो रिज़वी को इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उनका यह योगदान उर्दू साहित्य में नई ऊंचाइयों को स्थापित करता है।

जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने दफ्तर से बाहर आकर मिलीं दिव्यांग से , लिया ज्ञापन

तीसरा विकल्प न्यूज़ कन्हैया सिंह

जमुई पटना। बैसाखी के सहारे कलेक्ट्रेट पहुंचे दिव्यांग फरियादी को देख डीएम अभिलाषा शर्मा शनिवार को द्रवित हो उठीं। वे कार्यालय प्रकोष्ठ की कुर्सी छोड़कर दरवाजे से बाहर निकलीं और दनदनाते हुए सीढ़ियों के जरिए नीचे भूमि तल पर पहुंच गईं। यहां इंतजार कर रहे दिव्यांगजनों से भावुक मुद्रा में मुलाकात किया और उन सबों का हाल जाना। दिव्यांग संघ के जिलाध्यक्ष बाल्मीकि यादव ने डीएम को अपनी पहचान जमुई जिला निवासी के रूप में कराते हुए उन्हें पुष्प गुच्छ के साथ आवेदन पत्र समर्पित किया। कहा कि दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुगमता से दिलाया जाए। सरकारी समारोह में अतिथि के तौर पर बुलाने की कृपा करें। रोजगार , आरक्षण , रियायत पास की दिशा में पहल किया जाए। साथ ही अन्य सुविधाओं का लाभ भी वांछित है। डीएम अभिलाषा शर्मा ने मौजूद दिव्यांगजनों को ज्ञापन पर सहानुभूति पूर्वक विचार किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने उन्हें समस्या से वाकिफ कराते रहने के लिए प्रेरित किया। नजारत उप समाहर्ता अमु आमला समेत कई पदाधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे। उधर डीएम की दरियादिली देखकर समाहरणालय परिसर के लोग अचंभित हैं। अभिलाषा शर्मा ने दिव्यांगों के लिए जो सहृदयता के साथ अपनापन दिखाया है ,वह सुर्खियों में है।

गिद्धौर में दो दिवसीय एथलेटिक्स टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा

तीसरा विकल्प न्यूज़ - कन्हैया सिंह

जमुई। जिला एथलेटिक्स संघ , जेएम फाइनेंशियल फाउंडेशन और फ्यूचर स्टार्स स्पोर्ट्स एकेडमी के संयुक्त बैनर तले गिद्धौर स्थित कुमार सुरेंद्र सिंह स्टेडियम में आगामी 22-23 जनवरी को जिला एथलेटिक्स टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के जरिए 16 प्रतिस्पर्धियों का चयन किया जाएगा जो शीघ्र ही जमुई का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय स्तर पर एनआईडीजेएम (नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स मीट) में करेंगे। जमुई जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि नामित प्रतियोगिता में अंडर 14 और अंडर 16 आयु वर्ग के बालक-बालिका भाग ले सकते हैं। प्रतिस्पर्धा में लंबी दौड़ , छोटी दौड़ , लंबी कूद , गोला फेंक , भाला फेंक , ऊंची कूद आदि स्पर्धाओं का आयोजन किया जाएगा। इस टूर्नामेंट में प्रतिभागी निःशुल्क हिस्सा ले सकेंगे। इच्छुक प्रतिभागियों को 22 जनवरी को सुबह 08:00 बजे नामित स्टेडियम में उपस्थिति दर्ज करनी होगी। अध्यक्ष ने आगे कहा कि जमुई जिला एथलेटिक्स संघ और जेएम फाइनेंशियल फाउंडेशन प्रतियोगियों को एक कुशल मंच प्रदान करने की कोशिश कर रहा है ताकि जिले के सुपात्रों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का मौका मिल सके। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। मोबाइल नंबर 8294110206 और 7970946511 पर 20 जनवरी तक इच्छुक प्रतिभागी पंजीयन कराना सुनिश्चित करें ताकि उन्हें प्रतियोगिता में भाग लेने में कठिनाई न हो। डॉ. सिन्हा ने प्रतियोगिता की तैयारी जारी रहने की बात कही।

गुवाहाटी में आयोजित समुत्कर्ष महाशिविर का शुभारम्भ करेंगे राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य

तीसरा विकल्प न्यूज़ - पंकज नाथ

असम। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा आगामी 29 से 31 जनवरी तक असम के गुवाहाटी स्थित सरुसजाई स्टेडियम में आयोजित होने वाले समुत्कर्ष महाशिविर की तैयारियाँ जोरों पर हैं। शिविरार्थियों के लिए आवास, प्रदर्शनी स्थल और भोजनालय सहित सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के लिए सरुसजाई स्टेडियम में एक अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राणा प्रताप कलिता, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंत्री डॉ. जगदीन्द्र रायचौधुरी और क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने महाशिविर के विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की। समुत्कर्ष महाशिविर का शुभारम्भ असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहकर करेंगे। क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, महाशिविर के अध्यक्ष राणा प्रताप कलिता, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भगवती ने राज्यपाल के साथ सौजन्य भेंट कर महाशिविर की जानकारी प्रदान की। तीन दिवसीय इस महाशिविर में 5,000 से अधिक विद्यार्थी गोष्ठियों, व्यायाम योग, आसन, सूर्य नमस्कार और घोष वादन जैसे आयोजनों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। व्यक्तित्व विकास, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य, स्वदेशी आचरण और संस्कृति संरक्षण जैसे विषयों के बारे में महाशिविर में जानकारी प्रदान की जाएगी।

सांसद ढुलू महतो के प्रयास से धनबाद को मिला 1130.54 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट

➲ दो 6 लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर एवं फूटपथ का होगा निर्माण
➲ सभी वादों को एक - एक कर के पूरा करता जाऊंगा: सांसद ढुलू महतो

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने झारखंड के धनबाद जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के बरवा अड्डा पानागढ़ के निरसा और गोबिंदपुर क्षेत्र में फुटपाथ पुनर्निर्माण और दो 6 लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना 1130.54 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की जाएगी।

धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने इस परियोजना के लिए केंद्रीय मंत्री गडकरी से पूर्व में मुलाकात कर इसे मंजूरी दिलवाने के लिए प्रयास किए थे। सांसद महतो ने इस परियोजना को लेकर मंत्री गडकरी को इलाके की यातायात समस्याओं और विकास की आवश्यकता के बारे में पूरी जानकारी दी थी, जिसके बाद अब यह महत्वपूर्ण स्वीकृति प्राप्त हुई है। यह परियोजना झारखंड और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-19, पुरानी जीटी रोड एन एच-02) का अहम हिस्सा है। वर्तमान में इस मार्ग पर सरेखण निरसा और गोबिंदपुर के व्यस्त क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जिसमें प्रमुख क्रॉस रोड्स के साथ ग्रेड जंक्शन होने के कारण यातायात जाम की समस्या पैदा होती है। प्रस्तावित ग्रेड अलग सरेखण बाईपास इस क्षेत्र में ट्रैफिक की भीड़ को कम करेगा, जिससे झारखंड और पश्चिम बंगाल के बीच यातायात में तेजी आएगी। सांसद ढुलू महतो ने इस स्वीकृति को झारखंड और आसपास के क्षेत्रों के लिए बड़ी उपलब्धि करार दिया है। उन्होंने कहा, यह परियोजना न केवल धनबाद और उसके आसपास के क्षेत्र के लिए विकास का एक नया अध्याय खोलेगी, बल्कि इससे पूरे झारखंड राज्य के यातायात नेटवर्क को भी मजबूत किया जाएगा। इस परियोजना के तहत 6 लेन एलिवेटेड फ्लाईओवर बनने से क्षेत्र के यातायात की स्थिति में सुधार होगा और लोगों को यात्रा में अधिक सुगमता प्राप्त होगी। साथ ही, मौजूदा फुटपाथ का पुनर्निर्माण सुनिश्चित करेगा कि पैदल यात्री सुरक्षित और आरामदायक तरीके से यात्रा कर सकें। सांसद श्री महतो ने केंद्रीय मंत्री गडकरी का आभार व्यक्त करते हुए कहा, मैं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने झारखंड के विकास को प्राथमिकता दी और इस महत्वपूर्ण परियोजना को मंजूरी दी। चुनाव के दौरान किये हर एक वादे को पूरा जरूर करूंगा ।

जरूरतमंदों के बीच विधायक रागिनि सिंह ने बांटी कंबल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। झरिया, बढ़ती ठंड को देखते हुए झरिया विधायक श्रीमती रागिनी सिंह ने आज शनिवार को बोरागढ़ दुर्गा मंदिर के समीप स्थानीय जरूरतमंदों के बीच स्वयं मद से ढाई सौ कंबलों का वितरण किया जिसमें कई बुजुर्ग महिलाएं पुरुष और बच्चे शामिल रहे वही सभी लाभुकों ने सिंह का आभार व्यक्त किया। वही इस अवसर पर झरिया विधायक रागिनी सिंह ने उपस्थित सभी लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाजपा की सदस्यता ग्रहण करने की अपील की।इस दौरान मुख्य रूप से संजय सिंह संतोष शर्मा सुनील सिंह चालू सिंह अनिक सिंह रूपेश कुमार डुलडुल सिंह बबलू सिंह आदि मौजूद थे ।

अंतर्राष्ट्रीय महाअधिवेशन की सफलता पर किन्नरों ने गरीबों को वितरित किया भोजन, कपड़ा और राशि

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। गरीबों को भोजन कराने में हमें बहुत संतुष्टि मिलती है और जजमानों के घरों में खुशियां आए इसके लिए दुआ भी करवाती हूं। ये बात रविवार को अखिल भारतीय किन्नर समाज की प्रदेश अध्यक्ष छम छम देवी ने कही।किन्नरों का धनबाद में हुए अंतरराष्ट्रीय महाअधिवेशन की सफलता के बाद छम छम देवी के द्वारा अपने आवास जामाडोबा झरिया में कुष्ठ रोगियों ,विकलांगों और गरीबों को भोजन कराया और कपड़े और राशि का वितरण किया। उन्होंने कहा कि हमारे पूरे झारखंड के किन्नरों की ओर से समस्त धनबाद वासियों, जिला प्रशासन, मीडिया की महाअधिवेशन की अपार सफलता में अहम भूमिका निभाने के लिए किन्नर समाज हमेशा सभी सहयोगियों का आभारी रहेगा। मौके पर बंसी किन्नर,श्वेता किन्नर,निर्मला किन्नर, काजल किन्नर, राखी किन्नर आदि किन्नर मौजूद थे।

एलआईसी का राष्ट्रीयकरण दिवस के अवसर पर बीमा कर्मचारी संघ ने बनाई मानव श्रृंखला

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। रविवार को बीमा कर्मचारी संघ के धनबाद शाखा के सदस्यों में रणधीर वर्मा चौक पर मानव श्रृंखला बनाई। अवसर था 70वें जीवन बीमा व्यवसाय राष्ट्रीयकरण दिवस का। कार्यक्रम में बीमा कर्मचारी संघ, हजारीबाग मंडल के अध्यक्ष हेमंत मिश्रा ने कहा कि 19 जनवरी 1956 को ही जीवन बीमा व्यवसाय के राष्ट्रीयकरण की दिशा में पहला कदम उठाया गया था, जीवन बीमा अध्यादेश की घोषणा के माध्यम से, सभी बीमा कंपनियों के नियंत्रित व्यवसाय का प्रबंधन तत्काल प्रभाव से केंद्र सरकार को सौंप दिया गया था। प्रधान मंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने संसद में घोषणा की थी कि जीवन बीमा का राष्ट्रीयकरण समाजवादी समाज की ओर हमारे मार्च में एक महत्वपूर्ण कदम है। वास्तव में यह देश की आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण के प्रयास में एक ऐतिहासिक क्षण था। 1956 से ही एलआईसी राष्ट्र निर्माण गतिविधियों के लिए भारी निवेश प्रदान करके भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य कर रही है। पूर्व राष्ट्रपति माननीय डॉ अब्दुल कलाम ने सही कहा था कि एलआईसी हर आर्थिक गतिविधि में सरकार की भागीदार रही है। अपने आदर्श वाक्य जनता का पैसा जनता के लिए के अनुरूप, एलआईसी ने 31 मार्च 2024 तक बड़े पैमाने पर समुदाय के लाभ के लिए 51 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। इसने अब तक केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों और आवास, बिजली, सिंचाई, सड़क और पुल, रेलवे आदि के लिए निवेश के रूप में 34,38,020 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। 24 वर्षों से अधिक समय तक 23 निजी कंपनियों के साथ कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के बाद भी, एलआईसी 70 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ आगे बढ़ रही है। हर मिनट एलआई सी 41 पालिसियाँ बेच रही है और 2 करोड़ से अधिक नई पॉलिसियाँ खरीद रही है। हालाँकि सरकार ने एमएनसी/निजी कंपनियों के लिए दरवाजे खोल दिए हैं, फिर भी इस देश के लोग एल आईसी के पीछे पूरी तरह से खड़े हैं। वित्त की दुनिया में एलआईसी सुई जेनेरिस है, दुनिया में इसके जैसा कुछ भी नहीं है। भारत में जीवन बीमा क्षेत्र में वर्चस्व के साथ, इसकी 92त्न से अधिक जिलों में अखिल भारतीय उपस्थिति है। दुनिया के लगभग 12 देशों में भी इसकी उपस्थिति है। गारंटीड सरेंडर वैल्यू जिसके कारण एजेंट के कमीशन का पुनर्गठन हुआ, वह विशाल एजेंसी बल और उद्योग के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा ये सभी गलत प्रस्ताव न केवल उद्योग और उसके कार्यबल के हितों के लिए हानिकारक हैं। हमारे संगठन ने इन प्रस्तावों का तीव्र अभियान चलाकर विरोध करने का फैसला किया है और अगर सरकार अपने संसदीय बहुमत का उपयोग करके इन प्रतिगामी संशोधनों को आगे बढ़ती है तो हड़ताल के माध्यम से विरोध दर्ज कराया जाएगा कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी शाखाओं के साथियों का योगदान महत्पूर्ण रहा।

सिंदरी में महिलाओं के लिए सॉफ्ट टॉयज प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन साक्षात्कार का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। सिंदरी वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार अन्तर्गत विकास आयुक्त हस्तशिल्प कार्यालय देवघर द्वारा धनबाद ज़िला के सिंदरी एवं आसपास के क्षेत्रों में 30 महिलाओं के लिए आयोजित होने जा रहे सॉफ्ट टॉयज में गुरु शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम का चयन साक्षात्कार का आयोजन गायत्री मन्दिर, सिंदरी में किया गया। चयन के लिए सिंदरी एवं आसपास के क्षेत्रों से आई 55 महिलाओं ने साक्षात्कार में भाग लिया, जिसमें से 30 महिलाओं का चयन प्रथम बैच के लिए किया गया है। निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 जनवरी से शुरू होगा, जो प्रतिदिन सुबह 10 बजे से 4:30 बजे तक आयोजित होगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं को सॉफ्ट टॉयज में प्रशिक्षित कर स्वरोजगार से जोड़ना है, जिससे वे आत्मनिर्भर बनने के अवसर प्राप्त कर सकें। सहायक निदेशक भुवन भास्कर ने बताया कि प्रशिक्षण उपरांत महिलाओं को स्टाइपेंड एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा। प्रशिक्षण का पूरा खर्च वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार वहन करेगी। चयनित महिलाओं को क्रिएटिव डिज़ाइन, उत्पाद निर्माण और विपणन की विस्तृत जानकारी कोलकाता के प्रशिक्षक द्वारा दी जाएगी। प्रशिक्षण के दौरान ही समूह बनाकर उत्पादन केंद्र स्थापित किया जायेगा। चयन को सहायक निदेशक भुवन भास्कर के अध्यक्षता में प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार एवं टिंकरहैट फाउंडेशन के प्रतिनिधि सुंदर लाल ने किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सिंदरी एवं आसपास के क्षेत्रों की महिलाओं को अपने कौशल को पहचानने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का एक प्रयास है।

महाराष्ट्र के पदाधिकारियों को धनबाद में इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल) द्वारा दिया सम्मान

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

धनबाद। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल), नई दिल्ली द्वारा धनबाद में महाराष्ट्र के पत्रकारों और पदाधिकारियों का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्हें शाल, श्रीफल और सम्मान पत्र देकर अभिनंदन किया गया। मुख्य अतिथि एवं सम्मानित पदाधिकारी राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष एम. अली और महासचिव मोहम्मद जहांगीर ने महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मदन (बापू) कोल्हे, मीडिया प्रमुख देवानंद वाकळे, संपादक वैभवज्वाला, सचिव संतोष शिंदे, कार्यकारिणी सदस्य सुदाम गांधारे व अन्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया। पूर्व अध्यक्ष को श्रद्धांजलि व संगठन की रणनीति कार्यक्रम की शुरुआत महाराष्ट्र के दिवंगत पूर्व अध्यक्ष संजयकुमार कोटेचा को श्रद्धांजलि देकर हुई। इस दौरान संगठन की मजबूती और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय महासचिव का संदेश मोहम्मद जहांगीर ने कहा, इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन (इंटरनेशनल) पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष पत्रकारिता को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जब तक पत्रकार सुरक्षित नहीं होंगे, लोकतंत्र मजबूत नहीं हो सकता। भविष्य की योजनाएँसंगठन ने विभिन्न राज्यों में पत्रकारों के हित में विशेष कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की। इस सम्मान समारोह ने महाराष्ट्र के पत्रकारों को नई ऊर्जा और प्रेरणा दी।

बिहार सरकार ने फिर किया आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर

➢ कोशी प्रमंडल के आयुक्त बने राजेश कुमार अधिसूचना जारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - कन्हैया सिंह

जमुई पटना। बिहार सरकार ने एक बार फिर आईएएस अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। प्रभावित अधिकारियों में 1995 बैच के आईएएस अधिकारी बी. राजेन्द्र , 2001 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार , 2006 बैच के आईएएस अधिकारी दयानिधान पाण्डेय , 2008 बैच के आईएएस अधिकारी प्रणव कुमार , 2009 बैच के आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह और 2009 बैच की ही आईएएस अधिकारी सीमा त्रिपाठी का नाम शामिल है। 1995 बैच के आईएएस अधिकारी डॉ. बी. राजेंदर अभी सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं और साथ ही जन शिकायत के अपर मुख्य सचिव, प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी के निदेशक और खेल विभाग के अपर मुख्य सचिव के अतिरिक्त प्रभार में भी हैं। इन्हें अब ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह फिलहाल अवकाश पर हैं। 2001 बैच के आईएएस अधिकारी राजेश कुमार को कोसी प्रमंडल सहरसा का आयुक्त बनाया गया है। उन्हें पूर्णिया की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वह अब तक बिहार मानवाधिकार आयोग के सचिव की भूमिका निभा रहे थे। 2006 बैच के आईएएस अधिकारी दयानिधान पांडेय को राजस्व परिषद का अपर सदस्य बनाया गया है। वह इस समय कला, संस्कृति एवं युवा विभाग बिहार के सचिव थे और बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम के प्रबंध निदेशक के अतिरिक्त प्रभार में भी थे। 2008 बैच के आईएएस अधिकारी प्रणव कुमार को कला संस्कृति एवं युवा विभाग का सचिव बनाया गया है। वह अब गृह विभाग के सचिव, कारा एवं सुधार सेवा के महानिरीक्षक, सामान्य प्रशासन विभाग के जांच आयुक्त और बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम पटना के प्रबंध निदेशक अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। अब तक वह गृह विभाग के सचिव के अलावा कारा एवं सुधार सेवाओं के महानिरीक्षक और सामान्य प्रशासन विभाग के जांच आयुक्त की जिम्मेदारी देख रहे थे।

महिंद्रा फाइनेंस ने जीआईजी कार्यकर्ताओं को डिजिटल फाइनेंस से अवगत कराया

❑ जीआईजी वर्कर्स को डिजिटल फाइनेंस की जानकारी

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। महिंद्रा फाइनेंस और एनआईआईटी फाउंडेशन ने संयुक्त रूप से जीआईजी कार्यकर्ताओं को डिजिटल फाइनेंस और निवेश के बारे में जागरूक करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीआईजी कार्यकर्ताओं को आधुनिक डिजिटल दुनिया में वित्तीय रूप से सशक्त बनाना था। गोमती नगर स्थित होटल दयाल पैराडाइज में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीआईजी कार्यकर्ताओं को आधुनिक डिजिटल दुनिया में वित्तीय रूप से सशक्त बनाना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिंद्रा फाइनेंस के मनीष सिन्हा ने भाग लिया। डिजिटल युग में जीआईजी वर्कर्स को सशक्त बनाने के लिए महिंद्रा फाइनेंस और एनआईआईटी फाउंडेशन ने मिलकर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस कार्यक्रम में जीआईजी कार्यकर्ताओं को डिजिटल फाइनेंस, डिजिटल लेनदेन, डिजिटल फॉड, सरकारी योजनाओं और डिजिलॉकर के उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। महिंद्रा फाइनेंस के मनीष सिन्हा ने कहा कि हम जीआईजी वर्कर्स को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह कार्यक्रम इसी दिशा में एक छोटा सा कदम है। उन्होंने आगे कहा कि हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम जीआईजी वर्कर्स को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने में मदद करेगा। एनआईआईटी फाउंडेशन के विक्रम कुमार ने प्रशिक्षुओं को वित्तीय साक्षरता के महत्व पर जोर दिया और उन्हें अपने सीखे हुए ज्ञान को दूसरों के साथ साझा करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम से जीआईजी वर्कर्स न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाने में योगदान देंगे। यह कार्यक्रम जीआईजी वर्कर्स को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। महिंद्रा फाइनेंस और एनआईआईटी फाउंडेशन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम जीआईजी वर्कर्स के लिए एक सकारात्मक पहल है। इस तरह के कार्यक्रमों से जीआईजी वर्कर्स न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूत बनाने में योगदान देंगे।

घने कोहरे के चलते ट्रक पलटने से चालक केबिन में फंसा,केबिन काटकर चालक को निकाला बाहर

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा क्षेत्र में शनिवार देर रात घने कोहरे के कारण एक ट्रक अनियन्त्रित होकर अचानक सड़क किनारे पलट गया। हादसे में उसका चालक ट्रक के केबिन में फंस गया। बाद में एसडीआरएफ और दमकल विभाग की टीम ने केबिन काटकर घायलावस्था में ट्रक चालक को बाहर निकाला। उसे इलाज के लिए सरोजनीनगर सीएचसी में भर्ती कराया गया है। अमेठी जिले के शिव रतनगंज थाना अंतर्गत हरवा गांव निवासी ट्रक चालक दिनेश 28 शनिवार रात कानपुर से अपने ट्रक में लोहे के चादर लत का लखनऊ आ रहा था लेकिन रास्ते में नींद आ जाने और घने कोहरे के कारण उसकी गाड़ी देर रात करीब 3:00 बजे अनियंत्रित होकर बंथरा में बनी गाँव स्थित सई नदी पुल के पास अचानक पलट गई। ट्रक पलटने से चालक दिनेश केबिन के अंदर फस गया। राहगीरों से सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालक को बाहर निकालने की कोशिश की। लेकिन कामयाबी नहीं मिली। इसके बाद फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। सूचना के बाद तड़के करीब 4:05 बजे पहुंची सरोजनी नगर फायर स्टेशन की टीम ने काफी मशक्कत की, लेकिन कामयाबी न मिलते देख राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) को बुलाया गया। सूचना पाकर करीब आधे घंटे बाद पहुंची एसडीआरएफ और दमकल विभाग की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में लग गयीं। बाद में करीब 9:30 बजे दोनों टीमों ने ट्रक का केबिन काटकर चालक दिनेश को गंभीर हालत में बाहर निकाला और इलाज के लिए उसे सरोजनीनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। जहां उसका इलाज जारी है। वहीं लखनऊ- उन्नाव बॉर्डर पर देर रात करीब 3 बजे हुई इस घटना से मौके पर स्थानीय लोगों की काफी भीड़ लग गई है। स्थानीय लोग भी मदद करने में जुटे हैं। उधर घटना के कारण सई नदी पुल पर कानपुर रोड का यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने वहां पर सुरक्षा के इंतजाम बढ़ा दिए हैं और घने कोहरे में वाहन चलाने के दौरान सतर्कता बरतने की अपील की है।

काले कोट मे भूमाफिया सक्रीय नाका पुलिस निष्क्रिय

➲ थाना नाका हिंडोला क्षेत्र के बशीरतगंज मे नजूल भुमी पर कबजा 70/80 साल से रह रहे लोगों को किया गया जबरन बेघर, नाका पुलिस बनी मूकदर्शक

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी मे भूमाफिया का वर्चस्व लगातार बढता जा रहा है, एक ओर योगी आदित्यनाथ सरकार इनपर लगाम कसने हेतु लगातार कठोर कदम उठा रही है तो वहीं भूमाफिया भी नित नये नये हठकंडो के माध्यम से जमीनो पर गिध दृष्टी गडाए है तथा साम दाम दंड भेद की निती से जमीनो पर कबजे पर कबजा करने मे संलग्न है, वर्तमान मे काला कोट इनका मुख्य हथियार बना हुआ है । ताजा प्रकरण थाना नाका हिंडोला क्षेत्र से सामने आया है जहाँ नवयुग कन्या विधालय के निकट बशीरतगंज मे एक नजूल के मकान के सामने के हिस्से पर अचानक काले कोट मे आए भूमाफिया ने धावा बोला तथा 80 साल एव पीढी दर पीढी रहते आ रहे लोगों को जिनमे महिलाएं एव बच्चे भी शामिल थे, घर से बेघर कर दिया । प्राप्त जानकारी के अनुसार भवन संख्या 272/63 सुभाष मार्ग बशीरतगंज, राजेन्द्र नगर चमरटुलिया एक पुराना नजूल भूमि पर बना मकान है जहाँ पर 62 वर्षीय कैलाश, उनकी पत्नी विद्या देवी, 41 वर्षीय तारा देवी, 37 वर्षीय फूलमती, 54 वर्षीय विजय लक्ष्मी, 56 वर्षीय विमलेश, 26 वर्षीय मानसी, 21 वर्षीय किरन, 26 वर्षीय पूनम अपने बाप दादा के समय से रहते आ रहे हैं, शनिवार की सुबहा काला कोट पहने वकील के भेष मे मुंह पर रुमाल एव मास्क डाले आए लोगो ने अचानक उक्त भवन पर धावा बोलकर उसे ध्वस्त करने की कार्यवाही शुरू कर दी, मुंह ढकने से साफ प्रतीत हो रहा था की वे वकील नही बल्की वकील का भेष धरे लोग थे, भवन मे रहने वालो ने जब इसका विरोध किया तथा पुलिस को सुचित किया तो उनहे बताया गया कि वे लोग कोर्ट से मुकदमा जीतकर आए है । इसपर स्थानीय निवासियों को कथन है कि जिस मुकदमे की बात बताई जा रही है वो पूरा मुकदमा ही फर्जी है, क्योकि मुकदमा जो रमजान अली बनाम बालावती के नाम से चलाया गया वो पूरी तरहां अदालत को भ्रमित कर गलत तथ्यो के आधार पर चलाया गया । मुकदमे मे रमजान अली ने ये दर्शाने का प्रयास किया कि उसने बालावती से उक्त संपत्ति खरीदी है जिसपर बालावती कबजा नही दे रही है, बालावती कोर्ट मे पेश नही हुई अत: कोर्ट ने एक्स पार्टी (एक पक्षीय) फैसला रमजान अली के पक्ष मे कर दिया जिसके आधार पर उक्त भवन पर कबजा किया गया । जब्की भवन मे रहने वालो का कथन है कि जिस बालावती के खिलाफ रमजान अली ने मुकदमा दर्ज कराया वो ना तो उक्त बवन संख्या 272/63 मे ना तो रहती है, ना ही उक्त मकान उसका है, और ना ही उक्त मकान से बालावती का कोई संबंध है । भवन मे रहने वालो से उक्त मुकदमे का कोई संबंध ही नही है तो फिर कैसा आदेश और किसपर आदेश दिया गया । प्रथम दृष्टिया पूर प्रकरण किसी गहरी साजिश की ओर ईशारा करता दिख रहा है जिसमे भवन मे रहने वालो को बिना किसी सूचना के किसी अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसपर अदालत को भ्रमित कर आदेश जारी करवाने की बात बताई जा रही है ।

पावर और लुक में दमदार, कई नये फीचर के साथ जावा 42 एफजे के नये शोरूम का भव्य उद्घाटन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। ट्रेंड बाइक में युवाओं की हैवी मोटर बाइक में बढ़ती रूचि को देखते हुए तमाम बाइक कम्पनीज़ ने 2025 में तमाम मॉडल लांच किये है, क्लासिक और हैवी मोटरसाईकिल की बात करें तो जावा येज़दी का इतिहास सबसे प्रसिद्ध और सफल रहा है। ऐसे में जावा येज़दी मोटरसाइकिल की नई जावा 42 एफजे के शोरूम का भव्य उद्घाटन हरदोई रोड, ठाकुरगंज, लखनऊ में हुआ। उद्घाटन अवसर पर तमाम जावा मोटर बाइक प्रेमी और गणमान्य लोगो ने शिरकत किया। क्रेसेंडो मोटर्स एल एल पी के ओनर शोभित वैश ने उद्घाटन अवसर पर ग्राहको एंव अथितियों का स्वागत किया। साथ ही ग्राहकों को मोटर साईकिल के बारे में जानकारी प्रदान की गई कि नई जावा 42 एफजे एक स्पोर्टियर और ज्यादा पावरफुल मॉडल है। इसमें बाकि जावा 42 मोटरसाइकिलों की तुलना में कई नए फीचर्स दिए गए है। इतना ही नए फीचर्स के साथ ही बदलाव भी कई किए गए है। उन्होंने बताया जावा 42 एफजे में मल्टी-स्पोक एलॉय व्हील, ब्लैक-आउट इंजन और अपस्वेप्ट एग्जॉस्ट पाइप बाइक को स्पोर्टी पार्ट से जोड़ा गया है। इसके बेस मॉडल में वायर-स्पोक व्हील दिया गया है। बाइक को ऑल-एलईडी रोशनी, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर (ब्लूटूथ कनेक्टिविटी के साथ), ऑफसेट स्पीडोमीटर, असिस्ट और स्लिपर क्लच जैसे फीचर्स से लैस किया गया है। इसके अलावा बाइक में यूएसबी चार्जिंग पोर्ट और सिंगल-पॉड भी दिया गया है। बाइक में स्टील चेसिस का इस्तेमाल किया गया है। इसमें 41एमएम टेलिस्कोपिक फोर्क और ट्विन शॉक एब्जॉर्बर के जरिए सस्पेंड किया गया है। ब्रेकिंग के लिए बाइक में आगे की तरफ 320एमएम डिस्क ब्रेक और पीछे की तरफ डिस्क ब्रेक दिया गया है। इसे डुअल-चैनल एबीएस एस्टैण्डर्ड से लैस किया गया है। नई जावा 42 एफजे में 334सीसी, लिक्विड-कूल्ड, सिंगल-सिलिंडर इंजन दिया गया है, जिसे जावा 350 में भी इस्तेमा किया गया है। यह इंजन 29बीएचपी और 29.6एनएमका पीक टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ छह-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने कहा 25 से 40 उम्र के लोगो के हैवी मोटर साईकिल में बढ़ते पसंद को देखते हुए यहाँ लखनऊ में जावा मोटर साईकिल की ठाकुर गंज में यह दूसरी ब्रांच का उद्घाटन हुआ है यह गाड़ी लखनऊ युवाओं को खूब भा रही है।

अवधनामा के संस्थापक स्व. वक़ार रिज़वी की याद में मेडिकल कैंप का आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। रविवार को अवधनामा एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संस्थापक स्व. वक़ार रिज़वी की याद में सआदत गंज स्थित कर्बला दियानत उद्दौला में एक फ्री मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में राजकीय तकमीमुलत्तिब कॉलेज एंड हॉस्पिटल के डॉ. अब्दुल कवि के नेतृत्व में यूनानी चिकित्सकों ने मरीज़ों को मुफ्त दवाएं वितरित कीं। इसके साथ ही, मशहूर न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. असद अब्बास ने गरीब मरीज़ों की विशेष जाँच की। डॉ. अहमद हुसैन (चेस्ट स्पेशलिस्ट), डॉ. शाहनवाज़ (जनरल फिजिशियन), और डॉ. कमर जाफरी ने होमियोपैथी चिकित्सा के माध्यम से मरीजों का इलाज किया। हिजामा चिकित्सा के विशेषज्ञ डॉ. शफीना और डॉ. हसन बाकिर, डेंटिस्ट डॉ. तहसीन रज़ा आदि ने भी जाँच कर मरीज़ों को मुफ्त दवाएं और परामर्श दिया। इस अवसर पर वफ़ा अब्बास, शहर क़ाज़ी मौलाना अबुल इरफ़ान फिरंगीमहली, डॉ. कल्बे सिब्तैन नूरी, पूर्व विधायक रेहान नईम, मोहम्मद एबाद, मेहदी हसन बबलू, और पार्षद लईक आगा ने कार्यक्रम में भाग लेकर चिकित्सकों और सहयोगियों की प्रशंसा की। ट्रस्ट की चेयरपर्सन तक़दीस फातिमा ने कैंप की सफलता के लिए चिकित्सकों, मेहमानों, और स्थानीय नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

लखनऊ पुलिस मित्र परिवार द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में किया गया 8वां बृहद स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

➲ रक्तदान शिविर में 100 से अधिक रक्त वीर हुए शामिल

तीसरा विकल्प न्यूज़ - ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस मित्र परिवार द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आज दिनांक 19.01.2025 को (ब्लड बैंक) डॉ. राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान गोमतीनगर लखनऊ में राष्ट्रगान के साथ रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया गया। रक्तदान शिविर में आदरणीय कविंद्र प्रताप सिंह आई.पी.एस. (से.नि.) के संरक्षण व उप निरीक्षक जितेंद्र सिंह (फाउंडर) सपत्नी सरिता सिंह के मार्गदर्शन एवं टीम के (को. फाउंडर) सत्यम पाण्डेय सपत्नी,आंचल पाण्डेय, (को.फाउंडर) कुलदीप तिवारी,ज्योति खरे (सिविल डिफेंस/फाउंडर मेंबर), (सीनियर कोआडिनेटर) नूतन वर्मा, (कोआडिनेटर) आशीष सिंह, (कोआडिनेटर) प्रशान्त शुक्ला, (फाउंडर मेंबर) जितेन्द्र कुमार, (फाउंडर मेंबर) अनिल कुमार, (फाउंडर मेंबर) प्रशान्त बाजपेई, (फाउंडर मेंबर) प्रशान्त तिवारी के अतुलनीय सहयोग से रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया । रक्तदान शिविर में 100 से अधिक रक्त वीरों और रक्त वीरांगनाओ ने प्रतिभाग किया, जिसमें 62 रक्त वीरों ने एक हाथ में तिरंगा एक हाथ से रक्तदान का संकल्प लेकर रक्तदान किया कुछ करीब 15 रक्तदाता विभिन्न कारणों से रक्तदान करने में असफल रहे। उक्त रक्तदान शिविर में विशेष प्रो. अनीत परिहार हेड ऑफ डिप्रोटमेंट रेडियोलॉजिस्ट डिपार्ट केजीएमयू , शशांक प्रचारक स्वंय सेवक संघ लखनऊ सहित समाज सेविका रागिनी पुष्पा जयसवाल, फाउंडर हनु श्री ट्रस्ट, आसमा खां फाउंडर ह्युमेन फाउडेशन,मनीष अग्रवाल फाउंडर रक्तमित्र खाटूश्याम, वरिष्ठ समाज सेवी अनुज कुमार श्रीवास्तव, शशांक शुक्ला मुख्यालय लोक निर्माण विभाग द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में अपनी गर्मिमामयि उपस्थित से रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किये । स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की प्रथम रक्तवीर अब्दुल्ला अबीद रहे,जिन्हे प्रथम रक्तदाता के रूप में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर लखनऊ पुलिस मित्र परिवार के प्रशांत बाजपेई, पवन सिंह,आशीष कुमार सिंह, डा मानसी द्विवेदी,जितेन्द्र कुमार,अनिल कुमार , उप निरीक्षक राहुल कुमार, सुजीत कुमार पटेल,अरविंद कुशवाहा ,नदीम, प्रवीण कुमार,गौरव शाहू ,अखंड प्रताप सिंह, मनीष कुमार शुक्ला, संध्या यादव, आदिती,धीरेंद्र यादव ,संजय सिंह सहित बहुत सारे साथियों ने रक्तदान किए एवं मनोज कुमार वर्मा (सहायक नियंत्रक सिविल डिफेंस)प्रशांत तिवारी,जितेन्द्र (जीतू) ने अपना अमूल्य समय और योगदान देकर अनुग्रहित किया। रक्तदान शिविर में रक्तदाता द्वारा अतिउत्साहपूर्वक बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया गया।

समाचार

थाना ठाकुरगंज पुलिस ने 3 वारंटी को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नर अमरेन्द्र कुमार सेंगर दिशा निर्देश द्वारा थाना ठाकुरगंज पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर अलग अलग स्थानों से 3 वारंटीयो की गिरफ्तारी हुई,1 सुफियान नि0 544,618,बरौरा रोड अजीत गैस गोदाम थाना ठाकुरगंज लखनऊ,2 संतोष कुमार,नि0 कल्याण गिरि मंदिर के पीछे हरदोई रोड थाना ठाकुरगंज,3 नवीन कुमार नि0 43,24,लेसा कालोनी बलरामपुर अस्पताल थाना वजीरगंज लखनऊ, को किया गिरफ्तार, इस क्रम (पश्चिम) डीसीपी, द्वारा दिशा निर्देश पर गठित कि कई टीमें लगातार अपराधियों को धरपकड़ कर रही हैं,थाना ठाकुरगंज निरीक्षक श्रीकांत राय के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपीयों को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

नाका पुलिस ने 3 वारंटी को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। (मध्य) क्षेत्र के थाना नाका हिण्डोला पुलिस के 3 वारंटी हत्थे चढ़े जो काफी समय से वांछित चल रहे थे,1 अभियुक्ता सोनी,नि0 268 521 हनुमान मंदिर के पीछे नेहरू नगर थाना नाका हिंडोला लखनऊ,2 पप्पू प्रसाद उर्फ पप्पू गौतम नि0,268,521, हनुमान मंदिर के पीछे नेहरू नगर थाना नाका हिंडोला लखनऊ,3 सुभाष तिवारी नि0 281/90 मवैया चौराहा त्रिपाठी होटल थाना नाका हिंडोला लखनऊ, थाना प्रभारी वीरेंद्र त्रिपाठी की सूझबूझ से आरोपियों को गिरफ्तार किया, इसी क्रम में, डीसीपी, दिशा-निर्देश पर गठित की काई टीमें लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है,जिसमें आज थाना नाका प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र त्रिपाठी, नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर,मा. न्यायालय भेजा गया है।

थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने 3 वारंटी को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता इरफान कुरैशी

लखनऊ। लखनऊ पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर द्वारा, राजधानी लखनऊ (दक्षिणी) क्षेत्र में,थाना सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने 3 वारंटीयो वांछित चल रहे थे, 1 राहुल सोनी निवासी खुर्दही बाजार थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ,2 विक्रान्त सोनी निवासी खुर्दही बाजार सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ,3 अजय कुमार निवासी मकान नं 125,बक्कास थाना सुशांत गोल्फ सिटी लखनऊ को हिरासत पुलिस लिया गया, इसी क्रम में (दक्षिणी) डीसीपी, दिशा-निर्देश पर पुलिस टीम लगातार अपराधियों को धर पकड़ कर रही है। जिसमें आज थाना सुशांत गोल्फ सिटी प्रभारी निरीक्षक अंजनी कुमार मिश्रा,के नेतृत्व में आरोपीयों को गिरफ्तार कर, नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गया है।

दो अलग-अलग मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बंथरा में दो अलग-अलग पीड़ितों ने मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा कस्बा निवासी पंकज कश्यप ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे वह मोहल्ले में ही स्थित दुकान पर अलाव ताप रहा था। तभी मोहल्ले का रहने वाला धीरू कश्यप नशे में धुत होकर वहां पहुंचा और गालियां देने लगा। विरोध करने पर उसने पंकज की पिटाई भी करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। इसी तरह मवई पड़ियाना का मजरा भदोई निवासी दिनेश गौतम ने गांव के खुशीराम, खुशीराम के दो बेटे और विशाल व शेखर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दिनेश का कहना है कि शनिवार शाम करीब 6 बजे वह दुकान बंद कर अपने गांव पहुंचा। जहाँ इकट्ठा उक्त लोग दिनेश के पहुंचने पर उससे अभद्रता करने के साथ ही मारपीट व गाली गलौज करने लगे। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने दिनेश के ऊपर किसी भारी औजार से हमला कर दिया। जिससे उसके सिर पर गहरी चोट आई है। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने बाद में जान से मारने की धमकी भी दी। मारपीट के दौरान उसकी जेब में रखें 35 हजार रुपए भी कहीं गिर गए हैं फिलहाल बंथरा पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

डीएम ने पदभार ग्रहण करते ही की प्रेस वार्ता

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। रविवार को नए जिलाधिकारी (डीएम) ने राजधानी में पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं, योजनाओं, और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की। प्रेस वार्ता में उन्होंने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, और कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए कार्य योजना की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने यह भी कहा कि जनता के साथ सीधे संवाद स्थापित करने और उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने डिजिटल तकनीक और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए नए प्रोजेक्ट्स की शुरुआत करने का भी संकेत दिया। प्रेस वार्ता में अधिकारियों और मीडिया प्रतिनिधियों की बड़ी संख्या उपस्थित थी।

श्री नागेश्वर बाबा मन्दिर में भंडारे का किया गया आयोजन

● भंडारे के शुभ अवसर पर सुन्दर कांड के साथ साथ भजन कीर्तन करने वाली मण्डली ने सभी का मन मोह लिया
● प्रांगण में उपस्थित भक्तो ने भक्तिरस में मनमुग्ध हो कर के जयकारों के साथ नतमस्तक हो के प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। आशियाना पकरी सेक्टर एच कानपुर रोड स्थित श्री नागेश्वर बाबा मन्दिर में प्रतिवर्ष के तरह इस वर्ष भी मन्दिर का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम हर्षोल्लास के साथ विश्वकल्याण के लिए मनाया गया ,कार्यक्रम का आयोजन श्री नागेश्वर बाबा मन्दिर के सेवा दार दिलीप कुमार द्वारा भक्तगणों के सहयोग से करवाया गया दिलीप ने बताया कि उनके पिता रामाधार जिनका स्वर्गवास हो गया है के द्वारा श्री नागेश्वर बाबा मन्दिर की स्थापना की वर्षो पूर्व नागपंचमी के पावन पर्व पर कराई गई थी जिसके बाद मन्दिर प्रांगण की जिम्मेदारी दिलीप कुमार ने अपने हाथों में ले लिया और प्रांगण में गऊ माता कि सेवा भी की जाती हैं और मन्दिर में साफ सफाई और रखरखाव का भी विशेष ध्यान दिया जाता हैं ,प्रति वर्ष की भांति नागपंचमी के पावन पर्व पर दो दिवसीय मेले का भी आयोजन कराया जाता हैं जिसमे दूर दूर से लोग आते है ,प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष 18 जनवरी दिन शनिवार को भी विधि विधान पूर्वक सुन्दर काण्ड का पाठ करने के बाद भजन कीर्तन और भव्य आरती की गई जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तो ने पहुंच कर महादेव के दर्शन किया व पूड़ी सब्जी बूंदी और फल का प्रसाद ग्रहण किया ,इसी क्रम में भारतीय पत्रकार एवं मानवाधिकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेन्द्र बहादुर सिंह विशेष कार्यधिकारी उत्तर प्रदेश एम एल त्रिपाठी ,लखनऊ मंडल उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार प्रजापति सक्रिय सदस्य हरप्रीत सिंह सहित संस्था के तमाम पदाधिकारियों ने भी निमंत्रण पर श्री नागेश्वर बाबा मन्दिर के प्रांगण में पहुंच कर पूजा में सम्मिलित हो कर महादेव के दर्शन किये और जोर शोर से जय श्री राम जय जय हनुमान ,सहित हर हर महादेव के जय कारे लगाए जिससे आस पास का माहौल भक्तिमय हो उठा ,इस शुभ कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रभू की कृपा से ,दिलीप कुमार ,सुरेन्द्र कुमार प्रजापति ,जय प्रकाश सिंह, राम जी शुक्ला ,राजेन्द्र कुमार प्रजापति ,हरप्रीत सिंह,राकेश कुमार ,नीरज कुमार,माता सुमित्रा देवी,सुनीता शर्मा ,रजनी सिंह ,अमित सिंह, कविता देवी,,देवा, ने अपनी अहम भुमका निभाई जिससे कार्यक्रम देर रात तक किया जा सका ।

तेज रफ्तार कार सांड़ से टकराई,बाल बाल बचे कार सवार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। बिजनौर इलाके में रविवार शाम तेज रफ्तार एमजी हेक्टर कार किसान पथ पर एक साँड़ से टकरा कर काफी दूर तक घिसटती चली गयी। घटना इतनी भीषण हुई कि साँड़ के परखच्चे उड़ गए। लेकिन कार का एयर बैग खुल जाने से उस पर सवार चालक और उसका पिता बाल बाल बच गए। हालाकि इस घटना में करीब 100 मीटर दूर तक कार के डिवाइडर से लड़खड़ाने के कारण कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार चालक व उसके पिता को मामूली चोटे आई हैं। जिन्हें पास के निजी अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। उधर सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को क्रेन के जरिए सड़क किनारे कराया। झारखंड के रांची स्थित पंचवटी गार्डन निवासी सचेत त्यागी (60) और उनका बेटा दक्ष (32) रविवार शाम अपनी एमजी हेक्टर कार (जेएच 01 डीएन 2697) से किसान पथ होते हुए रांची से नोएडा जा रहे थे। कार को दक्ष चला रहा था। जबकि उसके पिता सचेत बाएं तरफ अगली सीट पर बैठे थे। वह शाम करीब 7 बजे बिजनौर थाना क्षेत्र में किसान पथ पर जैसे ही नटकुर अंडरपास के पास पहुंचे, तभी रोड पर सामने अचानक एक साँड़ आ गया। जब तक दक्ष कुछ समझ पाता, तब तक कार उससे टकरा गई। बताते हैं कि कार की स्पीड इतनी ज्यादा थी कि साँड़ से टकराने के बाद करीब 100 मीटर दूर तक साँड़ सहित कार रोड पर इधर-उधर डिवाइडर से टकराती चली गई। इस हादसे में सांड के चीथड़े उड़ गए और उसकी वहीं पर मौत हो गई। जबकि कार का एयरबैग खुल जाने से सचेत और उनका बेटा दक्ष बाल बाल बच गए। उन्हें सिर्फ मामूली चोटे आई हैं। सूचना बिजनौर पुलिस को मिली तो मौके पर पहुंची पुलिस ने दक्ष और सचेत का पास के निजी अस्पताल में प्राथमिक इलाज कराया। इसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। फिलहाल पुलिस ने अगले हिस्से से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई कार को क्रेन मंगाकर सड़क किनारे करा दिया है।

उत्तरायणी कौथिग मेले में व्यवस्थाओं के प्रसार के लिए डॉ. राजेश्वर सिंह ने दिए 5 लाख

➢ पर्वतीय समाज शौर्य और वीरता का पर्याय, यूपी में पर्वतीय महा परिषद के गठन का किया जाएगा प्रयास - डॉ. राजेश्वर सिंह
➢ विश्व के सभी धर्म सत्य, दया, करुणा, क्षमा और अहिंसा जैसे गुणों के पोषक - डॉ. राजेश्वर सिंह

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने रविवार को बीरबल साहनी मार्ग, गोमती तट स्थित गोविंद बल्लभ पंत पर्वतीय सांस्कृतिक उपवन में पर्वतीय महा परिषद, लखनऊ द्वारा आयोजित उत्तरायणी कौथिग मेले में बतौर मुख्य अतिथि सहभागिता की।

इस दौरान विधायक ने समाज के लोगों की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए एक कहावत का उल्लेख कर कहा, %तलवार चाहिए ना कोई ढाल चाहिए, देश की रक्षा के लिए बस गढ़वालियों के खून में उबाल चाहिए। विधायक ने इस दौरान सूबेदार बद्रीनाथ से लेकर देश के प्रथम परम वीर चक्र विजेता मेजर सोमदत्त शर्मा और जनरल विपिन रावत जैसे, मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने वाले पर्वतीय समाज के सपूतों के शौर्य को याद किया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने मेले में व्यवस्थाओं के प्रसार के लिए 5 लाख तथा सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नीलमथा में मेला व अन्य आयोजनों के लिए एक सार्वजानिक स्थल के विकास के लिए 10 लाख प्रदान की धनराशि उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पर्वतीय महा परिषद के अध्यक्ष गणेश चंद जोशी के अनुरोध पर डॉ. सिंह ने प्रदेश में रह रहे 1 करोड़ से अधिक पर्वतीय समाज के लोगों के समेकित विकास के लिए मुख्यमंत्री से अनुरोध कर प्रदेश में पर्वतीय महा परिषद के गठन के प्रयास का आश्वासन भी दिया। इस दौरान टीएस मनराल, केएन चंदोला, महेंद्र रावत, गोवर्धन भट्ट, मोहन सिंह मोना, डीडी नाडियाल, अमित पंत, बिशन दत्त जोशी, जानकी अधिकारी, प्रोफेसर एमसी पंत, गोविंद सिंह बोरा, रमेश उपाध्याय, सुमन रावत व अन्य मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने बताया कि भारत की 50त्न से अधिक आबादी 25 वर्ष की आयु वर्ग से कम है, युवा वर्ग को दुनिया का पहले आवासीय विश्वविद्यालय नालंदा, 60 से ज्यादा विषयों की शिक्षा देने वाले तक्षशिला विश्वविद्यालय, आर्यभट्ट द्वारा शून्य के आविष्कार, शल्य चिकित्सा के जनक सुश्रुत, पतंजलि के योग सूत्रों के सम्बन्ध में जानना, उनसे प्रेरणा लेना आवश्यक है। भारत को जानो प्रतियोगिता के माध्यम से भारत की स्वर्णिम विरासत के गौरव से युवाओं को जोड़ने के प्रयासों लिए, डॉ. सिंह ने भारत विकास परिषद का विशेष आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत के पूर्व निर्वाचन आयुक्त अनूप चन्द्र पाण्डेय ने भी सभा को संबोधित किया।

इस दौरान परिषद के संगठन मंत्री विक्रांत खंडेलवाल, समन्वयक एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह संधू, क्षेत्रीय अध्यक्ष मुकेश जैन, प्रांत अध्यक्ष देवेन्द्र स्वरुप शुक्ला, शशि कान्त सक्सेना, कमलेश कुमार अग्रवाल आदि मौजूद रहे। 25 वें सर्वधर्म सम्मलेन वार्षिक बैठक एवं खिचड़ी भोज में की सहभागिता डॉ. राजेश्वर सिंह ने आशियाना परिवार लखनऊ संस्था द्वारा द्विवेदी पार्क आशियाना में आयोजित 25 वें सर्वधर्म सम्मलेन वार्षिक बैठक एवं खिचड़ी भोज में सहभागिता की। कार्यक्रम में विभिन्न धर्मों के धर्म गुरु मौजूद रहे। इस दौरान डॉ. सिंह ने उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, विश्व के सभी धर्म सत्य, दया, करुणा, क्षमा और अहिंसा जैसे गुणों के पोषक हैं। इस दौरान डॉ सिंह ने वसुधैव कुटुंबकम को भारत का मूल दर्शन बताया। डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने उद्बोधन में आगे जोड़ा, सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं सर्वधर्म समभाव के अनुरूप तारा शक्ति रसोई का संचालन कर सरोजनीनगर में प्रतिदिन 4,000 जरुरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, 140 तारा शक्ति केन्द्रों की स्थापना कर मातृशक्ति को आर्थिक सशक्तिकरण के अवसर प्रदान किए गए हैं। कार्यक्रम में पूर्व सांसद अशोक बाजपेई, पूर्व मंत्री सरदार सर्वजीत सिंह डांग, मौलाना रशीद फरंगी महली, राजेंद्र सिंह बग्गा, नानक चंद लखमानी, हरपाल सिंह जग्गी, शिव शंकर अवस्थी, मौलाना मोहम्मद मुश्ताक, रशीद अली, मौलाना सुफियाम निजामी, शिव प्रकाश मिश्रा सेनानी व अन्य मौजूद रहे। माधव सेवा आश्रम में आयोजित खिचड़ी भोज में की सहभागिता डॉ. राजेश्वर सिंह ने भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित %माधव सेवा आश्रम% परिसर, निकट एसजीपीजीआई में मकर संक्राति के उपलक्ष्य में आयोजित खिचड़ी भोज में सहभागिता की। इस दौरान के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुषांगिक संगठन सेवा समर्पण संस्थान द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों के अंतर्गत वनवासी छात्रों के लिए अन्नदान हेतु डिजिटल माध्यम से समर्पण राशि भी अर्पित की। इस दौरान माधव सेवा आश्रम के संयोजक शरद जैन एवं प्रभारी दुर्गेश, पी.के. मिश्रा, गुड्डू, जितेंद्र अग्रवाल, वीरेंद्र तिवारी आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

हिट हुए गीत मगर शोहरत न मिली

भारतीय फिल्म संगीत के स्वर्णिम दौर कहे जाने वाले समय के संगीत की चर्चा में कई दिग्गज संगीतज्ञों का जिक्र होता है। हर संगीतकार की अपनी खास शैली रही। गीत-संगीत को सुनते ही संगीत के चाहने वाले संगीतकार और गीतकार के नाम का भी आभास कर लेते थे। तब संगीतकारों ने अपने संगीत में कई प्रयोग किए। शास्त्रीयता पर आधारित धुन बनाई वहीं लोकधुनों से भी उनका संगीत सजता रहा। हर विधा पर संगीत रचा गया। ऐसे में कुछ संगीतकारों को अपार शोहरत मिली। लेकिन कुछ संगीतकार विलक्षण प्रतिभा के बावजूद कुछ गीतों के संगीत तक सीमित रहे। हालांकि उनके वो गीत भी कालजयी बने। ऐसे संगीतकारों में दानसिंह, सरदार मलिक, सीएन त्रिपाठी व सपन जगमोहन जैसे नाम हैं। लेकिन फिर भी वो जाने - पहचाने रहे। लेकिन इस दौर में मुरली मनोहर स्वरूप जैसे संगीतकार भी रहे जिसके संगीत में सजे गीत, आरती, गजल भारत में गूंजते रहे लेकिन उन्हें वो शोहरत नहीं मिली जिसके वे हकदार थे। प्रख्यात भजन गायक हरी ओम शरण ने श्री राधे गोविंदा, मन भजले हर का प्यारा नाम है, मैली चादर ओढ़ के कैसे.., आरती कुंज बिहारी, रामजी करेंगे बेड़ा पार जैसे भजनों को गाया। उन्होंने हनुमान चालीसा भी गाई। दाता एक राम जैसे भजन एलबम घर-घर गूंजे। उस दौर में टेपरिकॉर्ड पर लोग सुबह-शाम इन भजनों को सुनते थे जो आज भी लोकप्रिय हैं। इन भजनों के संगीतकार मुरली मनोहर स्वरूप ही थे। उन्होंने ढोलक, हारमोनियम, तबला, सारंगी, खड़ताल व बांसुरी जैसे साजों से भजनों की मधुर झंकार भरी। प्रख्यात गायक मुकेश की गाई रामचरित मानस भाव विभोर करती है। साल 1976 के बाद एचएमवी के लिए मुकेश की गाई राम चरित मानस बहुत लोकप्रिय हुई। मुरली मनोहर स्वरूप ने ही मुकेश की गाई रामचरित मानस को संगीतबद्ध किया था। उन्होंने मानस के संगीत के हर कांड में कथा प्रसंगों के अनुरूप संगीत रचा व श्लोकों को शुद्धता -मधुरता से मुकेश से गवाया। यूपी में कासगंज की माटी में संगीत रचा-बसा है जहां भारतीय शास्त्रीय संगीत में ख्याल गायन शैली को सामने लाने वाले अमीर खुसरो ने जन्म लिया। कासगंज में ही तुलसीदास के संगीत शिक्षक हरिहरदास की संगीत पाठशाला भी थी। वर्तमान में स्थानीय रिचा शर्मा के गीत लोगों को भाते हैं। कासगंज में ही पले-बसे मुरली मनोहर स्वरूप ने गीत-संगीत में सुरों की बरसात की। मुरली मनोहर स्वरूप ने पचास से लेकर नब्बे के दशक तक भारतीय संगीत की सेवा की। उन्होंने भारतीय जनमानस को अद्भुत भजनों की सौगात दी। वहीं उनका योगदान भारत में एलपी रिकार्ड की शुरुआत कराने का भी है। साल 1930 में वह अपने पिता के साथ कोलकाता चले गए थे। फिर ग्रामोफोन म्यूजिक कंपनी में काम करने इंग्लैंड गए। पचास के दशक में इंग्लैड की म्यूजिक रिकॉर्ड कंपनी हिज मास्टर्स वायस एमएमपी के साथ मिलकर भारत में म्यूजिक रिकार्ड और एलबम की शुरुआत की। एक तरह से भारत में यह संगीत के प्रचार-प्रसार की क्रांति थी। मुरली मनोहर के संगीत निर्देशन में मुकेश,लता मंगेशकर, हरिओम शरण, बेगम अख्तर, शारदा सिन्हा, मोहम्मद रफी व किशोर कुमार आदि सबने गीत गाए। लेकिन मुरली मनोहर स्वरूप कलाकारों और म्यूजिक इंडस्ट्री के बीच तो चर्चित नाम रहा पर जनमानस में उन्हें बहुत चर्चा नहीं मिली। कितने लोग जानते होंगे कि सत्तर के दशक में हरिओम शरण की गाई प्रसिद्ध एलबम 'दाता एक राम' के संगीत रचनाकार मुरली मनोहर ही थे। जिस हनुमान चालीसा को घर-घर गाया जाता है उसकी धुन मनोहर ने तैयार की थी। वहीं बेगम अख्तर की मशहूर गजल 'ऐ मोहब्बत तेरे अंजाम पे रोना आया' का संगीत भी मनोहर स्वरूप के साजों से निखरा। इसी तरह की मुकेश की गायी 'बराबर से बचकर निकलने वाले, मेरे महबूब मेरे दोस्त' को बेहतरीन संगीत के लिए याद किया जाता है। मन्ना डे की 'हैरान हूं सनम' बहुत लोकप्रिय हुई। भारतीय लोकजीवन में शारदा सिन्हा का गायन अनमोल है। उन्होंने छठ पर्व के गीतों को सजाया। लोकमंगल के गीत गाए। मुरली मनोहर स्वरूप के साजों में शारदा सिन्हा के विवाह विदाई गीत लोकजीवन की धरोहर बन गए हैं। मुरली मनोहर स्वरूप नब्बे के दशक में अपनी बेटी के पास लंदन चले गए थे। इसके बाद वह गुमनामी में रहे। 'अग्निपथ अग्निपथ' तो सुर संगीत में सज गया, लेकिन मुरली मनोहर स्वरूप को याद किसी ने नहीं किया। भारतीय संगीत में नौशाद, शंकर जयकिशन, मदन मोहन, एसडी बर्मन, कल्याणजी आनंदजी, लक्ष्मीकांत प्यारेलाल व खैय्याम सबको अपने सृजन पर शोहरत मिली। मुरली मनोहर स्वरूप इसी स्तर के साधक थे। संगीत में रमे लोगों को उन्हें उनका श्रेय देना चाहिए।

किन्नर अखाड़ा: जिज्ञासा के साथ श्रद्धा का स्थल भी

बीते कुछ सालों से अस्तित्व में आये किन्नर अखाड़े के प्रति श्रद्धालुओं का आकर्षण स्वाभाविक है। इस अखाड़े में जुटे हजारों महिला-पुरुष साष्टांग दंडवत कर उन्हें न सिर्फ पूज रहे हैं बल्कि आशीर्वाद भी ले रहे हैं। सनातन धर्म में किन्नरों को भगवान शिव-उपासक और आशीर्वाद दाता के रूप में देखा जाता है। तीर्थराज प्रयाग महाकुंभ में करोड़ों तीर्थयात्री, लाखों कल्पवासी मोक्ष की लालसा में आए हैं। महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, धर्माचार्य, तमाम अखाड़ों से लेकर लाखों कल्पवासियों के बीच मेला क्षेत्र के सेक्टर-16 संगम लोअर मार्ग पर मौजूद किन्नर अखाड़ा लोगों की दिलचस्पी और जिज्ञासा का विषय बना है। रोजाना हजारों श्रद्धालु यहां आकर आशीर्वाद लेकर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहे हैं। संयोग देखिए, पैदा होने पर समाज ने ठुकराया, मुख्यधारा से अलग रखा गया। उसी किन्नर अखाड़ा में जुटे सैकड़ों-हजारों महिला -पुरुष साष्टांग दंडवत करके उन्हें न सिर्फ पूज रहे हैं बल्कि उनका आशीर्वाद लेकर खुद को कृतार्थ महसूस कर रहे हैं। किन्नर अखाड़ा उज्जैन पीठ के महामंडलेश्वर पवित्रानंद गिरि बताते हैं कि शिव पुराण में अर्ध नारीश्वर का जिक्र मिलता है । हमारे आराध्य देव शिव होते हैं। अखाड़ों पर शोध कर रहे पीयूष आनंद बताते हैं कि महाकुंभ मेला में किन्नर अखाड़ा के प्रति लोगों का आकर्षण देखा जा रहा है। बीते कुछ सालों में ही किन्नर अखाड़ा की स्थापना की गई। तेरह अखाड़ों में एक प्रमुख अखाड़े के रूप में किन्नर अखाड़ा महज सात-आठ साल के भीतर अपनी खास पहचान बना चुका है। वरिष्ठ पत्रकार अनिल कुमार बताते हैं दृ किन्नर अखाड़ा स्थापित करने की बात आई तो शुरुआती दिनों में इसका विरोध हुआ। सुप्रीम कोर्ट में वाद दाखिल कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि थर्ड जेंडर के रूप में जब सारे अधिकार हासिल हैं तो इनको पूजा पद्धति से कैसे रोका जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद बाकायदा किन्नर अखाड़ा की स्थापना हुई। इस अखाड़े के संस्थापक मुखिया और आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने देश के अलावा विदेश तक से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ने में खासी मशक्कत की। हिंदू धर्म छोड़कर पूर्व में इस्लाम अपनाने वाले कई दर्जन लोगों को किन्नर अखाड़ा ने घर वापसी कराई है। हिंदू सनातन धर्म में किन्नरों को भगवान शिव का उपासक और आशीर्वाद देने वाले के रूप में देखा जाता है। किन्नर अखाड़ा ने देश-विदेश, अलग-अलग क्षेत्रों में अब तक कई मंडलेश्वर और महामंडलेश्वर बनाए। आगे भी विस्तार की योजना है। महामंडलेश्वर आचार्य डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का कहना है कि ट्रांसजेंडर राइट्स को लेकर किन्नर अखाड़ा कई महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। एक समय था, जब समाज में किन्नरों को हीन दृष्टि से देखा जाता था लेकिन अब काफी सकारात्मक बदलाव हुआ है। पहले उपेक्षात्मक रवैया था लेकिन अब काफी बदलाव हुआ है। बैंकॉक, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, सेन फ्रांसिस्को, अमेरिका, हॉलैंड, फ्रांस और रूस सहित दुनिया के कई देशों के ट्रांसजेंडरों को इस अखाड़े में शामिल करने का लक्ष्य है।

डॉक्टर भीमराव आंबेडकर की आड़ में स्वार्थों का संधान

> डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम का उपयोग संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए किया जाना सांस्कृतिक पतन की निशानी है। यदि राजनीति में आज जैसी तल्खी हर ओर बिखरी होती तो डॉ. आंबेडकर भारतीय संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष नहीं बन पाते लेकिन कुछ ऐसे व्यक्तित्व उस समय उपस्थित थे जो प्रतिभा का सम्मान करना जानते थे। भारत के संविधान की सराहना पूरे विश्व में हुई है।

जगमोहन सिंह राजपूत। पिछले कुछ महीनों से देश में संविधान पर खूब चर्चा हो रही है, लेकिन यह सतही है, क्योंकि भारत के संविधान की सराहना तो पूरे विश्व में हुई है। इसे स्वतंत्रता आंदोलन के समर्पित सेनानियों ने जन-आकांक्षाओं और अभिलाषाओं की गहरी समझ के साथ तैयार किया। इसको शब्द देने के लिए जिस अप्रतिम प्रतिभा की आवश्यकता थी, वह डॉ. भीमराव आंबेडकर के व्यक्तित्व में मिली। भावी पीढ़ियां और इतिहास उनका ऋणी रहेगा। देश का यह सौभाग्य था कि इस उत्तरदायित्व को निभाने के लिए डॉ. आंबेडकर उपलब्ध थे। गांधी जी से उनके मतभेद थे, पंडित नेहरू और उनकी पार्टी उनको पसंद नहीं करती थी, लेकिन उस समय के राजनीतिक पटल पर स्वार्थ अनुपस्थित था। हर तरफ देश, देशवासियों और भारत के भविष्य की चिंता थी। लोगों को एक सम्यक मानवीय जीवन प्रदान करने का लक्ष्य ही हर तरफ लगभग सभी दलों और नेताओं का ध्यान आकर्षित कर रहा था। यदि राजनीति में आज जैसी तल्खी हर ओर बिखरी होती तो डॉ. आंबेडकर संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष नहीं बन पाते, लेकिन कुछ ऐसे व्यक्तित्व उस समय उपस्थित थे, जो प्रतिभा का सम्मान करना जानते थे और देश हित को दलगत हित से ऊपर मानते थे। संविधान के निर्माण में एक युग के सोच, समझ और वैचारिक सामूहिकता का योगदान रहा। इसी कारण वह इतना सशक्त बन सका। हालांकि एक ऐसा काला अध्याय भी भारत के संविधान से जुड़ा, जिसे इतिहास कभी भुला न पाएगा। 1975-77 के दौरान न्यायालय के निर्णय को निरस्त करने के लिए और सत्ता में बने रहने के लिए संविधान के शब्दों को ही नहीं, उसके आत्मा तक को तहस-नहस कर दिया गया था। यह उस दल ने किया था, जो स्वतंत्रता आंदोलन का सारा श्रेय स्वयं लेना चाहता रहा है। उसने इसके लिए इतिहास के तथ्यों के साथ छेड़छाड़ करने में कोई शर्म महसूस नहीं की। आज वही दल खुद को संविधान का सबसे बड़ा रक्षक बताने का दावा कर रहा है। क्या भारत के संविधान निर्माण में पंडित मदन मोहन मालवीय, रवींद्रनाथ टैगोर, महात्मा गांधी तथा अन्य स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का वैचारिक योगदान नहीं था? क्या डॉ. राजेंद्र प्रसाद का अथक परिश्रम भुलाया जाना चाहिए? क्या चक्रवर्ती राजगोपालाचारी की बौद्धिकता को सम्मान नहीं मिलना चाहिए? इन मनीषियों ने भारत के संविधान के भविष्य को बचाने के लिए, उसे संगठित और समग्र बनाने के लिए सोशलिस्ट तथा सेक्युलर शब्दों को आमुख में आने नहीं दिया था। आपातकाल में इन दोनों शब्दों को संविधान में जोड़ना इन महानुभावों का घोर अपमान ही था। संविधान के प्रति श्रद्धा भाव का प्रकटीकरण सही मायने में इन स्वतंत्रता सेनानियों के प्रति सम्मान का भी प्रकटीकरण है। डॉ. आंबेडकर और उनके जिन सहयोगियों ने संविधान सभा में बैठकर देश के भविष्य का मार्ग निर्धारण किया, वे निश्चित ही विशेष कृतज्ञता के अधिकारी हैं। डॉ. आंबेडकर ने देश को जोड़ने का प्रयास किया, अन्याय से हर किसी को मुक्त करने का मार्ग सुझाया। उन्होंने सिखाया कि प्रत्येक मनुष्य हर दूसरे मनुष्य को अपने समकक्ष स्तर पर आदर और सम्मान प्रदान करे। वे लोग जो जाति, उपजाति या किसी भी अन्य प्रकार के वर्गीकरण द्वारा उनका नाम लेकर अपने पक्ष में कुछ मतदाता बढ़ा लेने का प्रयास करते हैं, उन्हें सुसंस्कृत नहीं माना जा सकता, भले ही वे किसी भी पद पर हों। ऐसे लोग समाज के हितैषी तो नहीं ही माने जाएंगे। जिस देश की संस्कृति 'ईश्वर अंश जीव अविनाशी' का संदेश देती हो, जहां आयु और अनुभव के प्रति आदर और सम्मान करना बचपन से ही सिखाया जाता रहा हो, वहां डॉ. आंबेडकर जैसे पवित्र नाम का उपयोग क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थ के लिए किया जाना किसी बड़े सांस्कृतिक पतन की ओर ही इंगित करता है। संविधान निर्माता जानते थे कि सत्ता के आने से और उसके द्वारा प्राप्त अधिकार, सुविधाएं तथा धन-संग्रह की संभावनाएं व्यक्तियों पर नकारात्मक प्रभाव अवश्य डालेंगी। 26 नवंबर, 1949 को जब संविधान का अंतिम प्रारूप स्वीकृति के लिए संसद में प्रस्तुत किया गया, तब संविधान सभा के अध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद ने जो भाषण दिया, वह सदियों तक लोगों का ध्यान आकर्षित करता रहेगा। उन्होंने कहा था, 'देश का कल्याण उस रीति पर निर्भर करेगा, जिसके अनुसार देश का प्रशासन किया जाएगा। देश का कल्याण उन व्यक्तियों पर निर्भर करेगा, जो देश पर प्रशासन करेंगे। यह एक पुरानी कहावत है कि देश जैसी सरकार के योग्य होता है, वैसी ही सरकार उसे प्राप्त होती है।' डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने देश में सांप्रदायिक भेद, जातिगत भेद, भाषा तथा प्रांतीयता के भेद और इसी प्रकार के अन्य भेदों का भी उल्लेख किया। उन्होंने अपेक्षा की कि, 'इसके लिए हमें ऐसे दृढ़ चरित्र व्यक्तियों दूरदर्शी लोगों और ऐसे व्यक्तियों की आवश्यकता है, जो छोटे-छोटे समूहों और क्षेत्रों के लिए पूरे देश के हितों का परित्याग न करें और जो इन भेदों से उत्पन्न हुए पक्षपात से परे हों। हम केवल आशा ही कर सकते हैं कि इस देश में ऐसे लोग बहुत मिलेंगे।' अफसोस कि आज देश में हमें ऐसे लोग आवश्यक संख्या में नहीं मिल रहे हैं। छोटे-छोटे स्वार्थों के लिए देश हित को पीछे छोड़ने वाले देश की प्रगति और विकास के रास्ते के अवरोधक बन रहे हैं।

सरकारी कामकाज की गुणवत्ता का सवाल, कर्मचारियों की जवाबदेही भी बढ़े

आखिरकार आठवां वेतन आयोग गठित हो गया। वेतन आयोग के गठन के फैसले से केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मियों के साथ पेंशनधारकों का भी प्रसन्न होना स्वाभाविक है। वेतन आयोग को यह भी देखना चाहिए कि सरकारी कर्मचारियों की कार्यक्षमता और जवाबदेही बढ़े। सरकारी कामकाज की दशा सुधरे बिना देश को विकसित बनाने के लक्ष्य को पूरा नहीं किया जा सकता।

आखिरकार केंद्र सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा कर दी। पिछले कुछ समय से इसकी संभावना जताई जा रही थी, क्योंकि पिछला वेतन आयोग मनमोहन सिंह के कार्यकाल में गठित हुआ था, जिसकी सिफारिशों पर अमल मोदी सरकार ने 2016 में किया था। आठवां वेतना आयोग गठित होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें उन सभी सरकारी कर्मचारियों के प्रयासों पर गर्व है, जो विकसित भारत के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। इस फैसले के राजनीतिक निहितार्थ भी हैं, क्योंकि दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और यहां बड़ी संख्या में केंद्रीय सरकार के कर्मचारी और पेंशनधारक रहते हैं। यह भी ध्यान रहे कि आम तौर पर दिल्ली सरकार के कर्मचारियों के वेतन में केंद्रीय वेतन आयोग के साथ वृद्धि होती है और दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली पुलिस आदि विभागों के कर्मचारी भारत सरकार के तहत ही आते हैं। आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने से एक ओर जहां सरकारी कर्मियों की जीवन की गुणवत्ता बढ़ेगी, वहीं उपभोग को भी बढ़ावा मिलेगा, जिसका लाभ अर्थव्यवस्था को मिलेगा। जब-जब सरकारी कर्मियों के नए वेतनमान लागू हुए हैं, तब-तब देश में खपत बढ़ी है, क्योंकि ये कर्मी कभी घर खरीदते हैं और कभी कार अथवा अन्य वस्तुएं।

यह भी एक तथ्य है कि अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए सरकारें लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाने के जतन करती रहती हैं। चूंकि केंद्र सरकार की ओर से गठित किए जाने वाले वेतन आयोग की सिफारिशों को राज्य भी मान लेते हैं, इसलिए उनका लाभ राज्य सरकार के कर्मियों को भी मिलता है। आठवें वेतन आयोग के गठन के फैसले से केंद्र और राज्य सरकारों के कर्मियों के साथ पेंशनधारकों का भी प्रसन्न होना स्वाभाविक है, लेकिन प्रश्न यह है कि आखिर सरकारी कर्मी जबावदेही के दायरे में कब आएंगे और उनकी कार्य कुशलता कब बढ़ेगी यह जग जाहिर है कि केंद्र सरकार के कर्मी हों या राज्य सरकारों के, औसत सरकारी कर्मियों में जवाबदेही का अभाव दिखता है और वे मुश्किल से ही अपनी कार्यकुशलता और दक्षता के लिए जाने जाते हैं। देश की तमाम समस्याओं की जड़ में सरकारी कर्मियों के काम करने का कामचलाऊ तरीका ही है। बात चाहे टूटी सड़कों की हो, बजबजाती नालियों की हो, पर्याप्त सफाई व्यवस्था के अभाव की हो, नदी-नहरों के प्रदूषण की हो, बदहाल सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं या फिर सरकारी विद्यालयों की हो अथवा सरकारी परियोजनाओं में देरी की-इन सभी समस्याओं के पीछे सरकारी कर्मियों की अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार होता है। एक ओर सरकारी कर्मियों की अकर्मण्यता दूर होने का नाम नहीं ले रही है और दूसरी ओर उनके वेतन-भत्ते एक निश्चित अंतराल में बढ़ते जाते हैं। सरकारी खजाने पर पेंशन खर्च का बोझ भी बढ़ता जा रहा है। सरकारी कर्मियों के नई पेंशन योजना से नाखुश होने और पुरानी पेंशन योजना की वापसी की मांग के चलते मोदी सरकार एकीकृत पेंशन योजना लेकर आई है। यह इसी साल अप्रैल से लागू होगी। इस योजना में सरकार का अंशदान बढ़ने वाला है। एक समय प्रधानमंत्री मोदी मिनिमम गवर्नमेंट-मैक्सिमम गवर्नेंस की बात करते थे। उससे ऐसा प्रतीत होता था कि इस पर अमल होगा और उससे सरकारी कर्मियों की जबावदेही बढ़ेगी, पर अभी तक ऐसा नहीं हो सका है। यह सही समय है कि प्रशासनिक सुधार के लिए जिस आयोग का गठन हुआ था, उसकी अनुशंसाओं पर पूरी तरह अमल किया जाए। यह समझा जाना चाहिए कि सरकारी कामकाज की दशा सुधरे बिना देश को विकसित बनाने के लक्ष्य को पूरा नहीं किया जा सकता। अपने देश में सरकारी नौकरियों का आकर्षण किसी से छिपा नहीं। तमाम युवा सरकारी नौकरी के लिए लालायित रहते हैं। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि यदि एक बार सरकारी नौकरी मिल जाती है तो सेवानिवृत्ति तक जवाबदेही और जिम्मेदारी से छुट्टी मिल जाती है। सरकारी कर्मी कितनी भी गैरजिम्मेदारी से काम करे अथवा भ्रष्टाचार में लिप्त हो, वह कठिनाई से ही दंड का भागीदार बन पाता है। अब निचले स्तर के सरकारी कर्मियों को भी ठीक-ठाक वेतन मिलता है। इसके अलावा कई सरकारी कर्मी दो नंबर की कमाई कर लेते हैं। ऊपरी कमाई का लालच भी सरकारी नौकरी के प्रति आकर्षण की एक वजह है। सरकारी कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने के तमाम दावों के बाद भी स्थिति जस की तस है। शायद ही कोई सरकारी विभाग हो, जहां कमीशन या रिश्वत के बगैर काम होता हो। जो सरकारी कामकाज के इस सच से मुंह मोड़ रहे हैं, वे देश के साथ इंसाफ नहीं कर रहे हैं। यह एक विडंबना ही है कि जहां सरकारी कर्मियों के वेतन लगातार बढ़ रहे हैं, वहीं कॉरपोरेट जगत के बड़े अफसरों और शीर्ष सरकारी नौकरशाहों के वेतन-भत्तों में भारी अंतर भी देखने को मिल रहा है। यदि तमाम प्रतिभावान लोग सरकारी नौकरियों से दूर रहते हैं तो सरकारी कामकाज की संस्कृति के कारण। इस संस्कृति में प्रतिभा-दक्षता को विशेष प्रोत्साहन नहीं मिलता। सरकारी तंत्र में दक्ष एवं कुशल लोगों की कमी पूरी करने के लिए अनुभवी एवं प्रतिभावान लोगों की लेटरल एंट्री की कोशिश की जाती रही है।

मेष:- भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

बृषभ :- भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी। परिजनों से कुछ भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती हैं। अच्छी योजनाओ द्वारा महत्वपूर्ण कायरें को समयानुकूल पूर्ण करेंगे।

मिथुन :- भावनाओं पर नियंतण्रखअपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा-प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :- महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक-सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :- किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या:- नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

तुला:- कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन-सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

वृश्चिक:- किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

धनु:- रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर:- सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ:- पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन-सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा-पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मीन:- पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा।

सड़क हादसों पर गड़करी की चिन्ता जायज

प्रेम शर्मा

भारत की सड़कों की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक में आए दिन सवाल सामने आते रहे है। कभी सड़क निर्माण होने के एक माह और तीन माह के बीच ही सड़क की परतें बिखरने, शहरों में बनने वाली सड़कों दस फिट से लेकर 15 फिट तक होल होने सहित कई घटनाएं सामने आती रहती है जो इस बॉत का प्रमाण है कि सड़कोंश् के निर्माण में गुणवत्ता और नियमों की कही न कही अनदेखी की जा रही है। 2021 में देश में सड़क हादसों में 1,53,972 मौतें हुई थीं, जो 2022 में बढ़कर 1,68,491 हो गईं। हालिया केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 12 दिसंबर को कहा था कि दुनिया में सड़क हादसों को लेकर सबसे खराब रिकॉर्ड हमारा है। सड़क हादसों पर उनकी याह चिन्ता बिलकुल जायज है। सड़क दुर्घटनाएं ना केवल जान-माल की हानि करती है, बल्कि इससे देश की अर्थव्यवस्था पर (स्वास्थ देखभाल की नजर से) भी काफी दुष्प्रभाव पड़ता है। हालाकि हर सड़क दुर्घटना में सड़के ही जिम्मेदार हो ऐसा नही है। कई सड़क दुर्घटनाओं में देखा गया है कि ज्यादा रफ्तार से गाड़ी चलाने, नशे में गाड़ी चलाने, गाड़ी चलाते समय मोबाइल पर बात करने, ओवरटेकिंग करते समय लापरवाही, यातायात के नियमों का उल्लंघन, सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक न होने, वाहन चालकों का यातायात के चिह्नों पर ध्यान न देना और पैदल चलने वालों का भूमिगत और पैदल पारपथ का इस्तेमाल न करने के कारण भी सड़क दुर्घटनाओं में मौते हुई है। यानि सड़क दुर्घटनाओं पर काबू न पाए जा सकने को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री की चिंता वाजिब है। इसके लिए वे खराब सड़क निर्माण को जिम्मेदार मानते हैं। इसके पहले भी उन्होंने संसद में कहा था कि विदेश में जब भी भारत में सड़क दुर्घटनाओं और सड़कों के निर्माण को लेकर बात होती है, तो उन्हें शर्म से मुंह छिपाना पड़ता है।

सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत दुनिया में पहले स्थान पर है। उनके अनुसार खराब सड़क निर्माण को गैर-जमानती अपराध बना दिया जाना चाहिए। सड़क निर्माण के ठेकेदारों और इंजीनियरों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। निस्संदेह यह सुझाव कठोर लग सकता है। मगर चूंकि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने संकल्प लिया है कि वह 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को घटा कर आधा करना है तो इस संकल्प को बिना ऐसे कठोर कदम के हासिल नही किया जा सकता। मंत्रालय के अनुसार 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुई, जिनमें से एक लाख बहत्तर हजार लोगों की मोत हो गई। इनमें से एक लाख चौदह हजार लोगों की उम्र अठारह से पैंतालीस वर्ष के बीच थी।इसका मतलब है कि हर दिन औसतन 474 लोगों की जान गई या लगभग हर तीन मिनट में एक मौत हुई। सड़क दुर्घटनाओं पर काबू पाने के लिए कई उपाय आजमाए जा चुके हैं। यातायात नियमों के उल्लंघन पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। मगर इसका कोई उल्लेखनीय असर नजर नहीं आया। सड़क दुर्घटनाएं हर वर्ष कुछ बढ़ी हुई ही दर्ज होती हैं। सड़क दुर्घटनाओं में मौत का सबसे बड़ा कारण सड़कों का खराब ढंग से निर्माण चिह्नित किया गया है। राजमार्गों और द्रुतगामी सड़को पर चौड़ाई आदि में एकरूपता और मोड़ों पर उचित तकनीक का इस्तेमाल न होने के कारण दुर्घटनाएं और मौतें अधिक होती हैं। परिवहन मंत्री ने इस बात की पहचान की और इसे स्वीकार भी किया। सड़कों पर जिन वजहों से दुर्घटनाएं और मौतें होती हैं, उन्हें दूर करने के लिए भारी रकम भी आबंटित की गई है। परिवहन मंत्री ने माना है कि खराब निर्माण सामग्री के इस्तेमाल और अव्यावहारिक डिजाइन की वजह से सड़क दुर्घटनाएं होती हैं। उनकी चिंता जायज है, लेकिन इसके लिए जिम्मेदारी तय कौन करेगा। यह सर्वविदित है कि सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का पैमाना काफी ऊंचा है। सड़कों के ठेके देने से लेकर उनकी लागत तय करने और फिर तैयार सड़कों की गुणवत्ता का आकलन करने तक अनियमितताएं उजागर होती रहती हैं। इस तरह यह भ्रष्टाचार का एक संगठित तंत्र जैसा बन गया है। ऐसे में अगर ठेकेदारों और इंजीनियरों की कमियों को गैरजमानती अपराध घोषित कर भी दिया जाता है, तो उनमें इसका कितना भय होगा, कहना मुश्किल है। सड़कों की बनावट मानकों के अनुरूप नहीं है, इसका आकलन तो संबंधित महकमे को करना होता है। वैसे भी आम आदमी लाख शिकायत करते रहें कि सड़कों का निर्माण ठीक नहीं हुआ है, उनकी सुनवाई नहीं होती।

स्वामित्व योजनान्तर्गत कलेक्ट्रेट परिसर में 1135 को सौंपा गया संपत्ति कार्ड

रॉबर्टसगंज, सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट परिसर में स्वामित्व योजना के तहत आयोजित घरौनी वितरण समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि राज्यमंत्री समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग संजीव कुमार गोंड़ ने दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस मौके पर स्कूली छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम माननीय प्रधानमंत्री जी व माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को माननीय जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी, घरौनी के लाभार्थियों एवं ग्रामीणजनों के द्वारा देखा एवं सुना गया। तत्पश्चात राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग व जिलाधिकारीए भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी सहदेव कुमार मिश्र द्वारा मंच पर 20 लाभार्थियों को घरौनी कार्ड संपत्ति कार्ड का वितरण किया गया। इसके बाद मौके पर ही स्वामित्व योजनान्तर्गत कुल 1135 लाभार्थियों को संपत्ति कार्ड वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस मौके पर राज्यमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता के प्रति स्वयं जागरूक होते हुए दूसरे को भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का शपथ दिलायी। मंत्री ने समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के आजादी के 75 साल से ऊपर बीत जाने के बाद भी कच्चा मकान हो या पक्का मकान उस भूमि का कोई अभिलेख नहीं हुआ करता था, लेकिन आज हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आशीर्वाद है, जो आज भू-स्वामी को घरौनी का अभिलेख प्राप्त हो रहा है। घरौनी का कोई अभिलेख न होने के कारण भूस्वामी को काफी दिक्कते उठानी पड़ती थी और केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं जैसे बैंक से

लोन प्राप्त करने व अन्य योजना का लाभ पाने में समस्या आ रही थी, लेकिन आज यह सपना साकार हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नेतृत्व में आज जिले के लोगों को घरौनी का अभिलेख प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनपद में वनाधिकार अधिनियम के तहत अनूसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति तथा परम्परागत वनवासियों को 16000 पट्टे देने का किया किया है, यहीं नहीं इसके साथ-साथ खतौनी में नाम भी दर्ज कराया गया है। इसी प्रकार से भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नन्दलाल गुप्ता द्वारा लाभार्थियों व ग्रामीण जनों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को घरौनी का वितरण किया जा रहा है, वो लोग इस बात का ध्यान रखें कि जमीन को बेचना नहीं है, आगे आने वाले पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है, इस घरौनी के जरिये लोन लेकर कोई उद्योग धंधे व रोजगार करें, जिससे इसके माध्यम से आमदनी भी बढ़ सकें। इस मौके पर जिलाधिकारी बीएन सिंह ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि घरौनी वितरण का यह कार्यक्रम पूरे देश व प्रदेश में आयोजित किया जा रहा है, आज अपने जनपद में कुल 1135 लाभार्थियों घरौनी का वितरण किया गया है। आप सभी लोग जानते है कि खेती के खतौनी के सम्बन्ध में पहले से ही व्यवस्था है, लेकिन हमारे गांवों में घर बने हुए हैं, उनके लिए कोई अभिलेख नहीं करता था, जिससे बैंक या अन्य जगह यह सिद्ध करना पड़े कि यह घर हमारा ही है, तो कोई अभिलेख नहीं हुआ करता था। भारत सरकार ने अन्य देश में जो व्यवस्था थी, को अपने देश में भी लागू करने को सोचा, हमारे घर का जो स्वामित्व है उसे प्रमाण-पत्र देना, कि वह घर उनका है यह बहुत बड़ी महत्वकांक्षीय योजना है और अभी तो यह शुरूआती चरण में धीरे-धीरे यह प्रत्येक नागरिक के पास घरौनी का प्रमाण होगा और यह सिद्ध करेगा कि यह घर हमारा ही है। उन्होंने कहा कि अगर न्यायालया या सिविल में कोई विवाद होता है तो उसमें भी इसे सबूत के रूप में माना जायेगा जो एक साक्ष्य के रूप में स्वामित्व के पास मौजूद रहेगा, इसके लिए किसी को कोई शुल्क नहीं देना है। जिलाधिकारी ने कहा कि इस योजना से जो लोग वंचित रह गये हैं, उनको घरौनी प्राप्त हो सकें, इसके लिए राजस्व प्रशासन पूरी क्षमता से लगकर कार्य को मूर्त रूप देने का काम करेंगें, जिससे शेष लोगों को घरौनी प्राप्त हो सकें। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वि0रा0) सहदेव कुमार मिश्र ने घरौनी के सम्बन्ध में मौके पर उपस्थित लाभार्थियों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी, उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना से जहां एक तरफ ग्रामीणजनों के भूमि विवाद संबंधी विवादों का समाधान होगा वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायत की भूमि का स्पष्ट मानचित्र प्राप्त होगा, जिससे गांव के आधारभूत संरचना के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को बनाना आसान होगा। उन्होंने बताया कि जनपद में कुल पांच हजार लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया जाना है, जिसमें से आज 1135 लाभार्थियों का घरौनी का वितरण किया गया है, जिसमें से राबर्ट्सगंज तहसील के 405, घोरावल तहसील के 209, ओबरा तहसील के 506 तथा दुद्धी तहसील के 15 लाभार्थी शामिल रहें। उन्होंने कहा कि इससे लाभार्थीगण विभिन्न योजनाओं का लाभ, ऋण आदि प्राप्त कर सकेंगे। इस मौके पर जनपद मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम के साथ विभिन्न तहसीलों, ब्लाकों एवं कतिपय ग्राम पंचायतों में भी माननीय प्रधानमंत्री, माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को देखा गया साथ ही लाभार्थियों को घरौनी वितरण किया गया तथा स्वामित्व योजना के लाभ से जन सामान्य को अवगत कराया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे) रोहित यादव, उप जिलाधिकारी सदर उत्कर्ष द्विवेदी, उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक सिंह, जिला पंचायत पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर यादव, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, ई-डिस्ट्रिक्ट मैनेजर दिव्यतोष मिश्रा सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी व लाभार्थी उपस्थित रहे।

महाकुंभ में जाने के लिए बनाया गया अस्थाई बस अड्डा

पहले दिन ही श्रद्धालुओं को प्रयागराज के लिए किया गया रवाना

चन्दौली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर क्षेत्र में शनिवार की सुबह महाकुम्भ में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कटसीला के समीप अस्थाई बस अड्डे के रूप में विकसित किया गया। जहां से बसों का संचालन किया जायेगा। इस दौरान संभागीय निरीक्षक ने बताया कि पहले ही दिन तीन दर्जन से अधिक श्रद्धालुओं प्रयागराज के लिए रवाना हुए, जबकि यह सुविधा 26 फरवरी, 2025 तक के लिए संचालित रहेगा। बता दें कि महाकुम्भ मेला 2025 के आयोजन की तैयारियों को लेकर चन्दौली परिवहन विभाग ने अपनी योजनाओं को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। कटसिला के पास हाइवे किनारे एक अस्थाई बस अड्डा तैयार किया गया है, जहां से श्रद्धालुओं को महाकुम्भ के लिए भेजा जाएगा। परिवहन विभाग ने बसों की व्यवस्था की है, जिनके द्वारा प्रतिदिन पांच बसों में श्रद्धालुओं को भेजा जाएगा। पहले

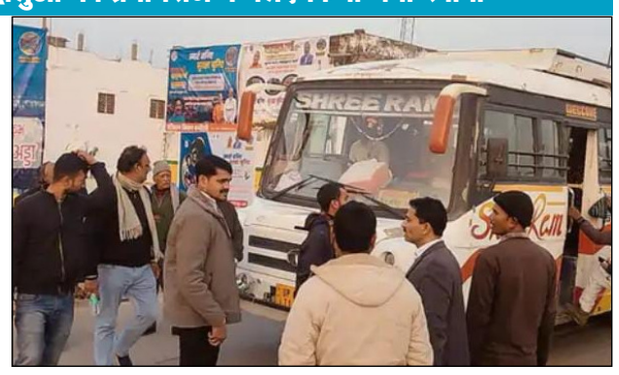

दिन, 35 श्रद्धालुओं को बस द्वारा मेला स्थल के लिए रवाना किया गया। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 26 फरवरी तक यह सेवा जारी रहेगी। इस दौरान श्रद्धालुओं को सभी आवश्यक सुविधाएं जैसे पानी, तम्बू और प्रतीक्षालय प्रदान किए जाएंगे, ताकि उनकी यात्रा सुखद और सुरक्षित हो सके। इस योजना के तहत श्रद्धालुओं को एक विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो। इस संबंध में संभागीय निरीक्षक आरआई अशोक कुमार यादव ने बताया कि परिवहन मंत्री के दिए गए निर्देश के क्रम में जनपद चंदौली में अस्थाई बस अड्डा बनाया गया है। पहले दिन बस को रवाना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था महाकुम्भ के लिए समर्पित श्रद्धालुओं की संख्या को ध्यान में रखते हुए की गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में और बसें उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु महाकुम्भ मेला में सम्मिलित हो सकें। इस मौके पर जितेंद्र सरोज, प्रतीक जोशी, रंजु आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हैंडबॉल प्रतियोगिता में विजय नारायण सेन ने मेडल जीतकर प्रदेश का नाम किया रोशन

एमजीएस इंटर कॉलेज के शिक्षकों सहित शुभचिंतकों ने किया जोरदार स्वागत

सुलतानपुर। राष्ट्रीय विद्यालय हैंडबॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर मेडल जीतकर लौटे एमजीएस इंटर कॉलेज के हैंडबॉल खिलाडी विजय नारायन सेन का स्वागत विद्यालय में प्रधानाचार्य महेश कुमार सिंह खेल प्रवक्ता दिलीप सिंह राजेश कुमार कनौजिया और अन्य अध्यापक बंधुओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया! सेन महबूबनगर तेलंगाना में हुई राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की ओर से प्रतिभाग करते हुए टीम को तीसरा स्थान दिलाने में कामयाब रहे ! उत्तर प्रदेश टीम से 16 खिलाडियों ने प्रतिभाग किया जिस में सुलतानपुर जिले से सेन एकमात्र खिलाड़ी रहे, यह जिले के लिए गौरव की बात है ! मौजूदा समय में सेन कोच प्रवीन मिश्रा की देख रेख में पंत स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं ! टीम को मेडल प्राप्त होने पर खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों सहित दीपक सिंह, पंकज दूबे, मुनेंद्र मिश्रा, डॉ0 अजय सिंह, विक्रम सिंह, शिवम, रितेश रावत, अजीत निषाद , जय नारायन आदि ने खुशी व्यक्त की!

जनपद को टीबी मुक्त बनाने के लिए आशाओं को किया गया प्रशिक्षित

मिर्जापुर। जनपद मिर्जापुर को टीबी मुक्त बनाने के उद्देश्य से वर्तमान समय में सघन टीबी अभियान कार्यक्रम संचालित किया गया है, उक्त कार्यक्रम में हाई रिस्क एरिया जैसे ईट भट्ठा, मलिन बस्ती, क्रेशर प्लांट, जेल, आदि के साथ साथ साथ साठ वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों एवं धूम्रपान सेवन करने वाले लोगों का स्क्रीनिंग करते हुए टीबी रोगियों को खोज कर उन्हें इलाज पर लाना मुख्य उद्देश्य है। उपरोक्त अभियान को सफल बनाने हेतु जिले में कार्यरत सीएचओ, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है, इनके माध्यम से ज्यादा से ज्यादा टीबी मरीजों की खोज कर उन्हें इलाज सुविधा पर लाते हुए जनपद को टीबी मुक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उक्त प्रयास के तहत शनिवार को चुनार पीएचसी पर उपस्थित क्षेत्र की समस्त आशाओं को प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ राकेश कुमार पटेल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। आयोजित प्रशिक्षण में डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा टीबी रोग के समस्त लक्षणों से परिचित कराते हुए सरकारी स्तर की सभी उपलब्ध सुविधाओ की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा गया कि आप सभी अपने अधीनस्थों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक कराते हुए टीबी रोगियों को खोज कर इलाज से जोड़ने का कार्य करें, श्री यादव द्वारा कहा गया कि उपरोक्त अभियान में स्वस्थ हुए टीबी मरीजों के बीच से टीबी चैंपियन का चयन करते हुए उन्हें अभियान से जोड़ने का दायित्व भी निभाएं, जिससे कि जनपद 2025 तक टीबी मुक्त जनपद के श्रेणी में आ सके और देश के माननीय प्रधानमंत्री का टीबी मुक्त देश का संकल्प साकार होता नजर आ सके, यादव द्वारा यह भी महत्वपूर्ण बात बताई गई की नवंबर 2025 से अब टीबी के मरीजों को प्रतिमाह 500 के स्थान पर 1000 खाते में दिया जा रहा है जो पूरे इलाज अवधि तक दिया जाएगा। आयोजित कार्यक्रम के दौरान अखिलेश कुमार यादव, इफितखार अहमद, सर्वेश कुमार आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

650 लाभार्थियों को घरौनी वितरित की गई

डबल इंजन की सरकार से प्रदेश का हो रहा चौमुखी विकास: राकेश राठौर गुरु

खैराबाद। खैराबाद में ऑडिटोरियम में जनपद के 650 लाभार्थियों को घरौनी नगर विकास मंत्री राकेश राठौर कारागार मंत्री सुरेश राही तथा महोली विधायक शशांक त्रिवेदी जिला अधिकारी अभिषेक आनंद आदि के द्वारा क्रमवार वितरित की गई कार्यक्रम की शुरुआत सुरेश राही राकेश राठौर गुरु तथा शशांक त्रिवेदी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके की गई कार्यक्रम में बोलते हुए विकास नगर विकास मंत्री राकेश राठौर गुरु ने कहा कि प्रदेश में चौमुखी विकास की लहर दिखाई दे रही है इसकी वजह डबल इंजन की सरकार है कारागार मंत्री सुरेश राही ने कहा कि योगी तथा मोदी की जोड़ी ने प्रदेश तथा देश के विकास में कोई भी कसर नहीं छोड़ी है वह दिन दूर नहीं जब भारत की गिनती विकसित देशो की श्रेणी में की जाएगी। कार्यक्रम को महोली विधायक शशांक त्रिवेदी सहित लोगों ने संबोधित किया इस अवसर पर 650 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अभिषेक आनंद नगर पालिका परिषद खैराबाद अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता नगर पालिका परिषद सीतापुर अध्यक्ष प्रतिनिधित्व मुनीम अवस्थी भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला एसडीएम सीतापुर सहित प्रशासनिक अधिकारी भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौके पर मौजूद थे।

एससी/एसटी आयोग के उपाध्यक्ष ने 409 लोगों को बांटा घरौनी प्रमाण पत्र

दुद्धी, सोनभद्र। तहसील सभागार में शनिवार को दोपहर में स्वामित्व योजना के तहत 12 लाभार्थियों को घरौनी प्रमाण पत्र वितरित किया गया जबकि इसके साथ ही तहसील क्षेत्र के अंतर्गत 22 ग्राम पंचायतों में कुल 409 घरौनी प्रमाण पत्रों का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एसी /एसटी आयोग के प्रदेश उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार , विशिष्ट अतिथि नगर पं. अध्यक्ष कमलेश मोहन व श्रवण सिंह गोंड ने संयुक्त रूप से वीणावादिनी माँ सरवस्ती के चित्र पर पुष्प गुच्छ अर्पित कर दीप प्रज्वल्लित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एसी/एसटी आयोग के प्रदेश उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार ने कहा कि सरकार ड्रोन कैमरे के तहत सर्वे कराकर ग्रामीणों को स्वामित्व योजना के तहत घरौनी प्रमाण पत्र दे रही है ,यह घरौनी प्रमाण पत्र आपके मालिकाना हक का प्रमाण होगा। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के 140 करोड़ देशवासियों के लिए विकास के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। केंद्र व प्रदेश की सरकार ने सोनभद्र में जितना काम किया है उसमें सबसे ज्यादा दुद्धी तहसील में हुआ है। इसके लिए मैं यहां के अधिकारियों को बधाई देता हूँ। यहां भूमिहीनों को वनाधिकार के तहत भूमि के पट्टे भी दिए जा रहे हैं और उन्हें खतौनी भी दिया जा रहा है । किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत सम्मान निधि भी नियमित दिया जा रहा है । प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के माँ बहनों को पूर्व के सरकारों से बेहतर सुरक्षा प्रदान की है ।हमारी सरकार सबका साथ सबके विकास के तर्ज पर कार्य कर रही है। विशिष्ट अतिथि श्रवण गोंड ने कहा कि लोगों को रहने का स्वामित्व होना चाहिए इसके तहत सर्वे कराकर जो जहां रह रहा है उसके नाम से स्वामित्व योजना के तहत घरौनी वितरण किया जा रहा है । इससे यह लाभ होगा कि इससे बैंकों से ऋण लेने में सहूलियत मिलेगी। पूरे तहसील में 306 गांवों के 2733 लोगों को घरौनी प्रमाण पत्र मिल चुका है और आज के कार्यक्रम के तहत तहसील क्षेत्र के 22 गांवों में 409 लोगों को वितरण किया जा रहा है।आज सरकार के प्रतिनिधि के रूप में हमारी मौजूदगी में वितरण किया जा रहा है। इस स्वामित्व प्रमाण पत्र को संभाल के रखिये जिससे यह जरूरत पर काम आये। कार्यक्रम का समापन करते हुए उपजिलाधिकारी निखिल यादव ने कहा कि स्वामित्व योजना प्रधानमंत्री जी की कल्पना थी कि जिनके पास रहने की भूमि नहीं है उन्हें भी भूमि दी जाए और उसका अधिकार भी दिया जाए। विवादों को खत्म करने के लिए स्वामित्व योजना लाई गई है । आपके पास घरौनी का कार्ड रहेगा तो आपको लोन लेने में सहूलियत रहेगी । इसके साथ ही उन्होंने कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया । इस मौके पर तहसीलदार ज्ञानेंद्र यादव ,नायब तहसीलदार ज्ञानेंद्र कुमार ,नायब तहसीलदार ओपी सिंह,लेखपाल अनिता जायसवाल के साथ भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मनोज मिश्रा , सुरेंद्र अग्रहरि ,मनीष जायसवाल , पीयूष कसेरा ,दीपक कुमार आदि लोग मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन लेखपाल मकबूल आलम ने किया।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल की जिला कार्यकारिणी घोषित

सीतापुर। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष संजय मिश्रा ने प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता के अनुमोदन एवं प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता से परामर्श के पश्चात जिले की टीम की घोषणा कर दी है इस क्रम में वरिष्ठ समाजसेवी विश्व वीर गुप्ता को संरक्षक अमित अग्रवाल को जिला महामंत्री अनिल अग्रवाल को जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल मुन्ना को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजहर बेग बब्बू, विजय रस्तोगी गुड्डू रामकिशोर राठौर मनीष सिंह अमित गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष, अर्जुन सिंह राठौड़ दीपक शुक्ला नीरज गुप्ता आलोक अग्रवाल रतन सिन्हा को जिला मंत्री नरेश अग्रवाल को जिला प्रवक्ता जबकि महेंद्र अग्रवाल को विधिक सलाहकार अनुज सक्सेना को मीडिया प्रभारी और रामकिशोर अग्रवाल अशोक अग्रवाल संजीव अग्रवाल श्री राम अग्रवाल डॉक्टर अभिषेक भारती आशीष खेतान मोनू मनोज अग्रवाल सरदार त्रिलोचन सिंह सुजीत गुप्ता आशीष अग्रवाल फनी राजीव वैश्य मुन्ना लाल गुप्ता को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया गया जिला कमेटी घोषित होने पर प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता विश्व वीर गुप्ता नरेश अग्रवाल सरदार त्रिलोचन सिंह श्री राम अग्रवाल विनय गुप्ता सहित व्यापारियों ने हर से व्यक्ति कर कहा कि संगठन व्यापारियों के हित में सदैव कार्य करेगा।

सड़क सुरक्षा सप्ताह अंतर्गत प्रारंभ किया गया जागरूकता अभियान

हमीरपुर। नेहरू युवा केंद्र संगठन मुख्यालय के निर्देश अनुसार नेहरू युवा केंद्र हमीरपुर द्वारा सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन दिनांक 17 जनवरी 2025 से 23 जनवरी 2025 तक किया जाना है जिसका उद्घाटन समारोह कार्यक्रम राजकीय हाईस्कूल कुछेछा हमीरपुर में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 सी. बी. राजपूत डिप्टी चिकित्साधिकारी एवं अमिताभ राय सहायक संभागीय अधिकारी, परिवहन विभाग द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में 25 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला युवा अधिकारी विष्णुप्रिया ने उपस्थित युवाओं को 23 जनवरी 2025 तक जनपद के अलग-अलग स्थान पर निरंतर सड़क सुरक्षा को लेकर आम जन मानस के बीच जागरूकता के लिए प्रेरित किया व कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम में उपस्थित यातायात विभाग से अमिताभ राय ने बताया कि कैसे सड़क दुर्घटना दृष्टिगत कुछेछा से लेकर मौदहा तक 13 ब्लैक स्पॉट है जहां अधिकतर सड़क दुर्घटनाएं होती हैं7 इन जगहों पर अत्यधिक सावधानी के साथ चलना चाहिए जिससे सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके। यातायात विभाग से सत्य प्रकाश उमराव में बताया कि जनपद को दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए हमें हेलमेट और सीटबेल्ट का उपयोग करना होगा, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करना, नशा करके वाहन न चलाना, ओवर स्पीड में वाहन न चलाना एवं दुर्घटना के समय पर जरूरतमंद की मदद करना जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन बुंदेलखंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष दीप चन्द्र द्वारा किया गया जिन्होंने बताया कि छोटी-छोटी सावधानी बरतने से दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है और सड़क सुरक्षा को हमें अपनी आदत बनाना होगा। चंदन पांडे, परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर धर्मेंद्र कुमार यादव, कांस्टेबल ट्रैफिक पुलिस, रविंद्र आर्या ,आरक्षी यातायात हमीरपुर, राजकीय हाई स्कूल कुछेछा से सहायक अध्यापक अमर सिंह, अश्वनी कुमार, हरिगेंद्र कुमार, रोहित कुमार तथा बुंदेलखंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी के सदस्य चंद्रकेतु, दीपक कुमार, आलोक प्रजापति निरंकारी, दीपक प्रजापति निरंकारी, पवित्र निषाद निरंकारी, पवन सिंह यादव तथा के.पी. सिंह इत्यादि गणमान्य जन उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार डम्फर से टकराने से दारोगा की मौत

हेड कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल

बस्ती। जनपद के हरैया थाना अंतर्गत बभनान मार्ग पर शुक्रवार की देर शाम हुए जोरदार हादसे में एक दारोगा की मौत हो गई तथा दुर्घटना में एक हेड कांस्टेबल घायल हो गए। मृतक उपनिरीक्षक हरिनारायण मिश्र,प्राप्त जानकारी के अनुसार हरैया थाना क्षेत्र के बभनान मार्ग पर रामकुमार विक्रम सिंह कालेज के सामने तेज रफ्तार अनियंत्रित कार एक डंपर से टकरा गई, जिससे कार सवार उपनिरीक्षक हरिनारायण मिश्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक दारोगा देवरिया जनपद के पिपरा रामघर ग्राम के निवासी थे। जबकि हेड कांस्टेबल राजकुमार दूबे जो वर्तमान समय में पैकौलिया थाने में तैनात हैं,और गोरखपुर जनपद के चौरीचौरा के निवासी हैं घायल हो गए। आनन-फानन में मौके पर मौजूद घायलों को ग्रामीणों द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरैया भेजा गया,जहां पर हेड कांस्टेबल का इलाज चल रहा है। दुर्घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची हरैया पुलिस नें मृतक दारोगा का शव कब्जे में ले लिया है। उपनिरीक्षक की असामयिक मौत की सूचना पर आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं।

पड़ाव से लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर तक सिक्स लेन बनाने के लिए दिया गया धरना

पीडीडीयू, नगर। पड़ाव से पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर तक सिक्स लेन सड़क बनाने की मांग को लेकर मुगलसराय के नागरिकों ने शनिवार को आर्य समाज मंदिर के बाहर धरना दिया। आंदोलन की अगुवाई अधिवक्ता संतोष कुमार पाठक ने की जिन्होंने इस मुद्दे पर आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि मुगलसराय एक महत्वपूर्ण शहर है जो न केवल लाल बहादुर शास्त्री की जन्म स्थली है, बल्कि जनपद की आर्थिक राजधानी भी है। यहां स्थित रेलवे जंक्शन की वजह से प्रदेशों से भारी संख्या में लोग आते हैं, जिससे पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में आए दिन भयंकर जाम की स्थिति बन जाती है। नागरिकों ने कहा कि जाम से निजात पाने का एकमात्र उपाय यही है कि या तो सिक्स लेन सड़क का निर्माण हो या फिर सुभाष पार्क से चकिया तिराहे तक सिक्स लेन का फ्लाईओवर बनाए जाए। उन्होंने बताया कि पहले पड़ाव से सिक्स लेन सड़क बनाने का काम चल रहा था, लेकिन यह सड़क मुगलसराय के गुरुद्वारा के पास फोर लेन में बदल गई, जो पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर में बन रही है। इस पर विरोध जताते हुए नागरिकों ने सत्याग्रह धरना शुरू किया है। कहा कि मुगलसराय में पीडब्लूडी की जमीन जीटी रोड के दोनों ओर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, जिससे सिक्स लेन सड़क का निर्माण संभव है। यदि यह संभव नहीं है, तो फ्लाईओवर का निर्माण किया जाए ताकि जाम से मुक्ति मिल सके। उन्होंने जिलाधिकारी से सवाल किया, लेकिन वे यह स्पष्ट नहीं कर सके कि फोर लेन सड़क से जाम की समस्या का समाधान कैसे होगा, क्योंकि नगर में पहले से ही फोर लेन सड़क मौजूद है। यह सत्याग्रह शांतिपूर्ण तरीके से नगर को जाम से मुक्त कराने के लिए है और नगरवासियों को इस आंदोलन में भागीदारी करनी चाहिए। इस मौके पर चंद्रभूषण मिश्रा, आरती यादव, शमीम मिल्की, अंशु चतुर्वेदी, ज्ञान पाण्डेय, पिंटू सिंह राजपूत, लक्ष्मण सिंह और अन्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा के प्रति परिवहन विभाग द्वारा चलाया गया जागरूकता अभियान

डिग्री काजेल में छात्र छात्राओं को दिलाई गई शपथ ➲ सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन करने की अपील

अमेठी। जनपद बढ़ते सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए एक जनवरी से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह का आयोजन किया जा रहा है।इसी के तहत लोगो को जागरूक करने के लिए परिवहन विभाग द्वारा अलग अलग कार्यक्रमो का आयोजन किया जा रहा है।शनिवार को अमेठी के आरआरपीजी कॉलेज में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत छात्र छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में एआरटीओ के अलावा कालेज प्रसाशन मौके पर मौजूद रहा। जनपद में बढ़ते सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा शासन के निर्देश पर वृहद रूप से जगरूकता अभियान चलाया जा रहा है।शनिवार को अमेठी के आरआरपीजी कॉलेज में परिवहन विभाग द्वारा कालेज के छात्र छात्राओं को सड़क सुरक्षा के नियमो को पालन करने के लिए शपथ दिलाई गई।कार्यक्रम में एआरटीओ सर्वेश सिंह,कालेज के प्रिंसिपल ओपी त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं शामिल हुए।छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए एआरटीओ सर्वेश सिंह ने कहा कि 2023 में 44 हजार सड़क दुर्घनाएं हुई थी जिसमे 23 हजार मौतें हुई।हादसों में साढ़े आठ हजार मौतें ऐसी थी जो ओवर स्पीड के कारण हुई जिसमे सात हजार दो पहिया सवार है।सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने में युवाओ का अहम योगदान है। कार्यक्रम में सैकड़ो छात्र मौजूद हैं जो हजारों लोगों को जागरूक कर सकते है। इसलिए हम सब को मिलकर लोगों को जागरूक करना चाहिए।सड़क हादसे का प्रमुख कारण लोगो का ईगो है क्योंकि ईगो के चलते लोग हेलमेट या फिर सीट बेल्ट नही लगाते है।हम कभी भी सड़क पर निकले तो हेलमेट जरूर लगाएं और अगर कार से निकले तो सीटबेल्ट जरूर लगाये।हम सभी अपने परिवार की उम्मीद है और परिवार हमारे घर से निकलते ही हमारे आने की प्रतीक्षा में रहता है।

दबंगों ने गोलबन्द एक राय होकर ज़मीनी विवाद को लेकर मारपीट कर किया घायल

दुधारा। शुक्रवार की शाम में दुधारा थाना क्षेत्र के गांव सिसवा फतहुल्लाह में जमीनी विवाद को लेकर गोलबंद, एक राय होकर लगभग आधा दर्जन लोगो ने दरवाजे पर आकर मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने मुकामी पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना दुधारा क्षेत्र के गांव सिसवा फतहुल्लाह निवासिनी किस्मती देवी पत्नी श्रीराम ने मुकामी पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर कहा है कि प्रार्थिनी अनुसूचित जाति चमार है। दिनांक 17 जनवरी की शाम 5.30 बजे जमीनी विवाद को लेकर सुनीता देवी पत्नी राम छैल शर्मा, गोविन्द पुत्र राम छैल शर्मा,अर्चना, वंदना पुत्री गण राम छैल शर्मा गोलबंद एक राय होकर लाठी डंडा लेकर मेरे दरवाजे पर आए, गंदी गंदी गाली देने लगे। गाली देने से मना की तो लात मूका, लाठी डंडे से मारने पीटने लगे। मेरी बहू शक्ति देवी पत्नी दिनेश, कु. सरिता, कु. गीता पुत्री गण श्रीराम बीचबचाव करने आए तो इनको भी मारपीट दिये।

ग्राम पारी में स्वामित्व योजना के अंतर्गत 26 लाभार्थियों को वितरित की गई घरौनी

सलोन, रायबरेली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा स्वामित्व योजना के अंतर्गत 29,501 ग्रामों की 45,35,680 घरौनियों का डिजिटल वितरण किया गया। इस अवसर पर विकासखंड सलोन के नवाबाद मजरे ग्राम पारी में आयोजित कार्यक्रम में 26 लाभार्थियों को घरौनी वितरित की गई।

ग्राम प्रधान रोहित सिंह व ग्राम विकास अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने लाभार्थियों को घरौनी सौंपी। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री द्वारा योजना के उद्देश्यों और लाभों को साझा किया गया। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भौतिक रूप से घरौनी वितरित की, जिसका सीधा प्रसारण ग्रामीणों को दिखाया गया। ग्राम विकास अधिकारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि स्वामित्व योजना से भूमि विवादों का समाधान, सरकारी और निजी भूमि की पहचान, बैंकों से ऋण लेने में सहूलियत और अन्य योजनाओं का लाभ मिलेगा। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान रोहित सिंह, ग्राम विकास अधिकारी अशोक कुमार सिंह,ग्राम रोजगार सेवक मनोज यादव, पंचायत सहायक अनुकृति त्रिपाठी, बुदुन शुक्ला, हलीम अहमद सहित आदि ग्रामीण उपस्थित रहे। योजना के तहत लाभार्थियों ने सरकार के इस प्रयास की सराहना की।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रॉपर्टी कार्ड (घरौनी) का किया गया वितरण

- जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा लाभार्थियों को वितरित की गई घरौनी
- प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के लाभार्थियों से संवाद एवं उद्बोधन कार्यक्रम का किया गया सजीव प्रसारण

अमेठी। स्वामित्व योजना के अंतर्गत तैयार किए गए प्रॉपर्टी कार्ड (घरौनी) का वितरण कार्यक्रम शनिवार को जनपद की समस्त तहसीलों व ब्लॉकों में किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के लाभार्थियों से संवाद व उद्बोधन कार्यक्रम का सभी जगह सजीव प्रसारण किया गया। मुख्य कार्यक्रम जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में राजीव गांधी पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट संस्थान जायस में किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को स्वच्छता व नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा वर्तमान समय में सरकार की चल रही योजनाएं फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी बनवाने की अपील की गई। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के सजीव प्रसारण के उपरांत जनपद में सभी जगह अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया। जनपद में 571 राजस्व गांवों के कुल 23548 लाभार्थियों को घरौनी का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वामित्व योजना से जहां एक तरफ ग्रामीण जनों के भूमि विवाद संबंधी विवादों का समाधान होगा वहीं दूसरी तरफ ग्राम पंचायत की भूमि का स्पष्ट मानचित्र प्राप्त होगा जिससे गांव के आधारभूत संरचना के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को बनाना आसान होगा इससे लाभार्थी गण विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिनेश कुमार मिश्रा, जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज त्यागी, उपजिलाधिकारी तिलोई अमित सिंह, तहसीलदार तिलोई सहित अन्य संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि व लाभार्थी गण उपस्थित रहे।

राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी स्थित राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज में शनिवार को कॉलेज प्रधानाचार्य डॉ. आशुतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में विकास खण्ड स्तर पर %अंतरिक्ष विज्ञान / किसी विशिष्ट समस्या का तकनीकी समाधान % थीम पर आधारित विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 35 विद्यालयों के 54 छात्रों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में प्रवक्ता - मंजू यादव, पवन कुमार,डॉ. रेशमा सिंह, कीर्ति चौरसिया,विभा महंत शामिल हुई 7 श्रीमती सरिता सिंह एवं मोनिका सिंह के संयोजन में आयोजित हुई प्रतियोगिता में श्रीमती दीप्ति, श्वेता, मोनिशा, उषा यादव, अनुराधा श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा 7

शहर के लोगों को बेहतर प्रशासनिक सुविधाएं देंगे

- लखनऊ के नए जिलाधिकारी ने लिया चार्ज

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में नए जिलाधिकारी के रूप में विशाख जी अय्यर ने कलेक्ट्रेट कोषागार में रविवार को पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पूर्व जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार भी उपस्थित रहे। उन्होंने नए डीएम को पूर्ण सम्मान के साथ पदभार सौंपते हुए उन्हें बधाई दी7 पदभार ग्रहण करने के बाद डीएम विशाख ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि उनका मुख्य ध्यान शहर के नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं प्रदान करने और लखनऊ को स्वच्छ, सुरक्षित और सुचारु रूप से संचालित शहर बनाने पर रहेगा। उन्होंने कहा कि लखनऊ की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजते हुए आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा। ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने, जलभराव की समस्या को हल करने और शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करना मेरी प्राथमिकताओं में शामिल होगा।

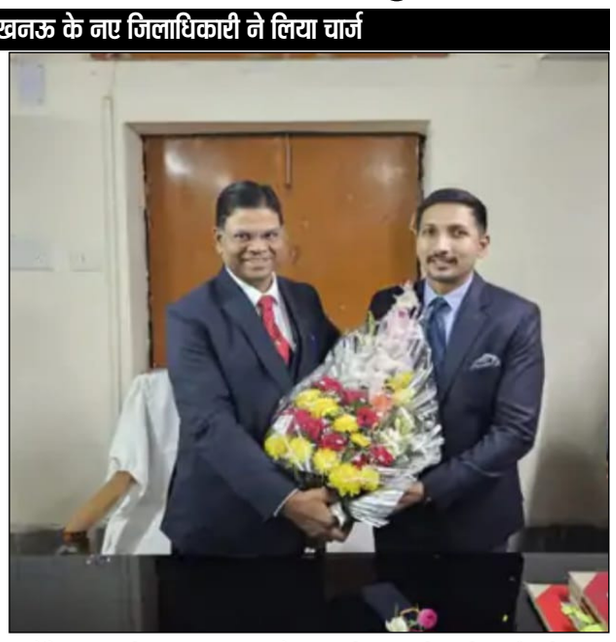

उन्होंने कहा कि युवा शहर से पलायन न करें, इसके लिए रोजगार के अवसर मुहैया कराए जाएंगे। 2011 बैच के आईएएस अधिकारी विशाख जी अय्यर मूल रूप से केरल के रहने वाले हैं। उनकी गिनती सीएम योगी के चहेते असफरों में होती है। लखनऊ के नवनियुक्त जिलाधिकारी विशाख जी ने बीटेक किया है। वो वाराणसी, फर्रुखाबाद और मेरठ में सीडीओ पद की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। साथ ही चित्रकूट, हमीरपुर, कानपुर और अलीगढ़ समेत कई जिलों में जिलाधिकारी के रूप में कामकाज देख चुके हैं।

थाना चौक पुलिस ने लंबे समय से फराज चल रहे अपराधी को किया गिरफ्तार

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। थाना चौक पुलिस ने एक ऐसे फरार अपराधी को गिरफ्तार किया है जो लंबे समय से पुलिस से बचता आ रहा था। पुलिस ने प्रदीप कुमार शर्मा शारस्वत (59 वर्षीय), निवासी शिवम बेला, कोचा तिपर, चन्द्र बान वाली गली, से गिरफ्तार किया है। न्यायालय पीठासीन अधिकारी, अतिरिक्त न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट (एनबीडब्ल्यू) के आधार पर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए न केवल फरार वारंटी को पकड़ा, बल्कि न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित कर कानून-व्यवस्था को मजबूत किया।

अखिल क्षत्रिय महासभा के केंद्रीय कार्यालय में महाराणा प्रताप की 429 वीं मनाई गई पुण्यतिथि

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में तीन नंबर बाग स्थित अखिल क्षत्रिय महासभा के केंद्रीय कार्यालय में रविवार को महाराणा प्रताप की 429 वीं पुण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान वहां पर मौजूद लोगों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर फूल माला व पुष्प अर्पित किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कुंवर विनोद सिंह ने कहा कि आज भारतवर्ष के प्रत्येक युवा को महाराणा प्रताप जी के बताए हुए पद चिन्हों पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सबको नहीं पता है कि महाराणा प्रताप जी दो म्यानो वाली तलवार क्यों रखते थे। उन्होंने कहा कि क्योंकि उनकी माता जी ने उन्हें शिक्षा दी थी कि अगर सामने वाला निहत्था है तो उसे एक तलवार दे देना और तब उससे युद्ध करना। इसलिए प्रथम गुरु मां होती है, बाद में विद्यालय में शिक्षा देने वाले अध्यापक गुरु माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि हमें आवश्यकता है कि हम अपने बच्चों को कुरीतियों से दूर रखकर ज्यादा से ज्यादा शिक्षित करें। वहीं कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर विनय सिंह बघेल ने राष्ट्र सेवा को ही सबसे बड़ा धर्म बताया। इस मौके पर संगठन के जिला संयोजक मानसिंह, प्रताप सिंह, प्रदेश सचिव उदय प्रताप सिंह, मनीष सिंह सिसोदिया, जिला महामंत्री प्रशांत सिंह, रवि सिंह, सिद्धार्थ सिंह और रिंकू सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

इन ग्राम पंचायतों में सोशल आडिट टीम ने परखी विकास कार्यों की गुणवत्ता

संतकबीरनगर। शनिवार को बेलहर कला ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत जंगल बेलहर, भगौसा एवं बघौली विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसडीला, बडहरा, भगवानपुर एवं भकठी में सोशल ऑडिट टीमों द्वारा ग्रामीणों के साथ खुली बैठक कर सामाजिक अंकेक्षण संपन्न किया गया। विदित हो कि पंचायती राज विभाग उत्तर प्रदेश के निर्देश पर पूर्व में ब्लॉक वार ग्राम पंचायतों में मनरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास से संबंधित विकास कार्यों के सामाजिक अंकेक्षण का कार्य संपन्न हो चुका है, जिन ग्राम पंचायत में सामाजिक अंकेक्षण का कार्य किन्हीं कारणों से नहीं हो सका था, वहां पर सामाजिक अंकेक्षण की प्रक्रिया चल रही है। इसी क्रम में बेलहर कला ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत जंगल बेलहर, भगौसा एवं बघौली विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत बसडीला, बडहरा, भगवानपुर एवं भकठी में सोशल ऑडिट टीमों द्वारा ग्रामीणों के साथ खुली बैठक कर सामाजिक अंकेक्षण का कार्य संपन्न किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का किया गया आयोजन

तीसरा विकल्प न्यूज़ - संवाददाता लखनऊ

लखनऊ। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के अर्जुनगंज मंडल स्थित देवी सिंह खेड़ा बूथ संख्या 570 पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्य मंत्री एवं भाजपा पूर्व प्रदेश मंत्री वीरेंद्र तिवारी रहे। कार्यक्रम के दौरान मौजूद सभी लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यान से सुना और उनके संदेश को आम जनमानस तक पहुंचाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह कार्यक्रम न केवल देशवासियों को एक सूत्र में बांधता है, बल्कि हमें सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर सोचने व कार्य करने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर इस कार्यक्रम को सुनने से समाज में जागरूकता और एकजुटता का भाव पैदा होता है। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष मोहित तिवारी ने कहा कि यह कार्यक्रम प्रत्येक नागरिक को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराने के साथ सभी को प्रेरित भी करता है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र हित में सामूहिक संकल्प और जय घोष के साथ हुआ। इस दौरान मौजूद लोगों ने भविष्य में ऐसे कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी निभाने का वचन दिया। भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहित तिवारी और पूर्व मंडल अध्यक्ष सुशील कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में शक्ति केंद्र संयोजक गुड्डू तिवारी, अरविंद दीक्षित, तेजपाल, अवधपाल, पारुल गुप्ता, राजेंद्र मिश्रा, दिनेश नेगी और तुषार सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वामित्व योजना अंतर्गत तहसील सभागार में बांटी गई घरौनी

हमीरपुर। प्रधानमंत्री गृह स्वामित्व योजना के अंतर्गत आज तहसील क्षेत्र अंतर्गत लगभग 150 लाभार्थियों को घरोनी वितरण कार्यक्रम में सैकड़ों ग्रामीणों के साथ कार्यक्रम संयोजक तहसीलदार राठ,मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष डॉ0 महेंद्र शुक्ला, विशिष्ट अतिथि उप जिलाधिकारी, डॉ0 उमाकांत राजपूत, संगीता गुप्ता, बृजेंद्र सोनी भोले, धर्मेन्द्र साहू, केशव अहिरवार की उपस्थिति में सभी ने पहले प्रधानमंत्री मोदी जी के संवाद कार्यक्रम,संबोधन ऑनलाइन प्रसारण को देखने के बाद पात्र महिला पुरुषों को घरोनी वितरण किया गया।इसके बाद मुख्यमंत्री जी का प्रदेश की जनता के लिए संदेश प्रसारण सुनना और इस प्रक्रिया के विषय में सभी को जागरूक करने के लिए विस्तार से बताया। बताते चलें कि ग्रामीण क्षेत्र में पहले लोगों के पास घर तो थे पर उसके अभिलेख न होने के कारण उनका लिखित स्वामित्व नहीं था जिससे उससे संबंधित बैंक लोन,एवं अन्य सभी प्रकार की सुविधाओं से वंचित रह जाते थे सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों से आज यह संभव हो सका है। ग्रामीणों में खुशी की लहर रही और सभी ने मोदी जी का धन्यवाद किया।

भाजपा नेताओं ने डीएम कृतिका ज्योत्सना को पुष्प गुच्छ भेंट कर दी विदाई

सुलतानपुर। शासन स्तर पर आईएएस अधिकारियों के हुए स्थानांतरण के दौरान जिले के डीएम रही कृतिका ज्योत्सना का स्थानांतरण होने पर स्थानीय भाजपा नेताओं सहित अनेक समाजसेवियों ने विदाई के दौरान उनके कार्यों की प्रशंसा करते हुए पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हें सम्मान प्रदान किया ! विदाई कार्यक्रम के दौरान लंभुआ विधानसभा से जिले के तेजतर्रार भाजपा नेता एलके दूबे और धर्मेंद्र द्विवेदी ने डीएम कृतिका ज्योत्सना से मुलाकात कर उन्हें प्रतिमा और बुकें भेंट कर शानदार विदाई दी! विदाई समारोह के दौरान जिले के अनेकों राजनेता व सामाजिक संगठन के लोग मौजूद रहे!

हीरो गाँधी की पुण्यतिथि पर नेताओं का रहा जमावड़ा

- सांसद सहित एमएलसी ने व्यक्त की श्रद्धांजलि

सुलतानपुर। हीरो गांधी की पुण्यतिथि पर पहुँचे पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन ने समाधि स्थल पर पहुँचकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। मंच पर पहुँचे मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी ने मिल्कीपुर चुनाव पर इशारों - इशारों में भाजपा पर निशाना साधा। शुक्रवार को रणविजय हीरो गांधी की 17वीं पुण्यतिथि पर तहसील जयसिंहपुर के रेवारी गावँ पहुंचे समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन ने कहा कि सुलतानपुर की धरती वीरों की धरती है । समाजवादी पार्टी ने आज के 17 साल पहले शहीद सिपाही की शहादत को भूलने नहीं दिए जाएगा। पड़ोस के अयोध्या में मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव जीतकर हीरो को सच्ची श्रद्धांजलि दी जाएगी। साजन ने हीरो गांधी की शहादत पर कसीदे पढ़े और उन्होंने समाजवादी नौजवानों को सबक लेने का मूल मंत्र दिया। कार्यक्रम का संचालन मज़हर हुसैन ने किया।विशिष्ट अतिथि सांसद राम भुआल निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि सुलतानपुर की जनता कभी भी उनको फोन करके अपनी समस्या बता सकती है।उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अड़ंगे डालकर कोर्ट कचहरी के जरिये उन्हें परेशान करने का काम कर रहा है ।जबकि जनपद सुलतानपुर की आवाम में जिस उम्मीद से उन्हें जिताया है वह विकास कार्य रुकने नही दिया जाएगा।सभी के मंसूबे धराशाई होंगे।

सैकड़ों जरूरतमंदों को वितरित हुआ कम्बल

सुलतानपुर, हीरो की पुण्यतिथि के अवसर पर कार्यक्रम में सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया ।इस मौके पर प्रदेश प्रवक्ता अनूप संडा ने भी संचालन किया। मध्यप्रदेश प्रभारी अर्जुन आर्या, पूर्व लोक सभा प्रत्याशी शकील अहमद, प्रधान राज नारायण,पूर्व मंत्री व जिलाध्यक्ष रघुवीर यादव,महासचिव सलाहुद्दीन,पूर्व जिलाध्यक्ष पृथ्वीपाल यादव, प्रदेश सचिव बृजेश यादव, पूर्व विधायक अरुण वर्मा, जितेंद्र वर्मा बाजीगर, रजनीश यादव, डॉ0कृष्ण कुमार यादव,धर्मेंद्र सिंह भपटा,अवधेश,इसौली विधायक प्रतिनिधि फुरकान गनी, बूथ प्रभारी राशिद खान, महेश बेलहरी, जिला पंचायत सदस्य राधेकान्त यादव, विष्णु शुक्ला, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव सनी यादव आदि मौजूद रहे।

पर्सनल लाइफको लेकर बोलीं

शालिनी पासी

20 साल की कम उम्र में हुई थी शादी, गौरी खान ने काफी सपोर्ट किया था

शालिनी पासी ने हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफको लेकर कई खुलासे किए हैं। उन्होंने जल्दी शादी होने पर भी बात की। शालिनी ने शाहरुख खान और गौरी खान को लेकर कहा– मेरी काफी कम उम्र में शादी हो गई थी और उस टाइम गौरी ने मुझे काफी सपोर्ट किया था। संजय पासी और शाहरुख बचपन से दोस्त हैं– शालिनी शालिनी पासी ने मोजो स्टोरी में बरखा दत्त से बातचीत करते हुए कहा कि शाहरुख खान और गौरी खान उनके फैमिली फ्रेंड हैं। शालिनी के पति संजय पासी और शाहरुख खान स्कूल टाइम से दोस्त हैं। रिश्तों को लेकर काफी मूडी हूं– शालिनी उन्होंने कहा– संजय रिश्तों को लेकर काफी अच्छे हैं, जबकि मुझे अपने में रहना ज्यादा

पसंद है। मैं बहुत ज्यादा मूडी हूं। संजय लोगों के साथ कॉन्टेक्ट बनाने में माहिर हैं, जबकि मैं ऐसा नहीं हूं। मैं किसी के लिए 100 : अवेलेबल रहती हूं, लेकिन ये सब मेरे मूड पर डिपेंड करता है।

कम उम्र में हुई थी शादी, गौरी ने किया सपोर्ट

शालिनी पासी ने आगे कहा– 'शाहरुख खान और गौरी के केस में ऐसा नहीं है। वो दिल्ली के रहने वाले लोग हैं, जिन्होंने बॉम्बे में काफी नाम कमाया है। फिर भी वो दोनों अपने सभी दोस्तों के साथ कॉन्टेक्ट में हैं जो काफी अच्छा है। गौरी ने मुझे हर टाइम सपोर्ट किया है। मेरी शादी बहुत छोटी उम्र में हो गई थी और गौरी मुझे हमेशा अपना एग्जांपल देकर समझाती थीं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी। मुझे पता था कि मैं उन पर ट्रस्ट कर सकती हूं।'

नेटफ्लिक्स के शो में नजर आई थीं शालिनी

शालिनी पासी नेटफ्लिक्स के फैबुलस लाइव्स वर्सेज बॉलीवुड वाइव्स के तीसरे सीजन में डेब्यू करने के बाद से काफी चर्चा में हैं।

20 साल की कम उम्र में हुई थी शादी

बता दें, शालिनी ने 20 साल की उम्र में बिजनेसमैन संजय पासी से शादी कर ली थी। उन्होंने 21 साल की उम्र में एक बेटे को जन्म दिया था। उनका बेटा अब 27 साल का है। शालिनी ने कम उम्र में शादी करने के फैसले को सही बताया है।

शफेब्युलस लाइफऑफबॉलीवुड वाइव्सश् के बारे में...

नेटफ्लिक्स का रियालिटी शो शफेब्युलस लाइफऑफबॉलीवुड वाइव्सश् बीते 2 सीजन में हिट रहा है। इस सीजन में महीप कपूर, नीलम कोठारी, भावना पांडे, सीमा सजदेह जैसे फिल्मी सितारों की पत्नियां नजर आईं। साथ ही इस सीजन में कल्याणी शाह, शालिनी पासी और रिद्दिमा कपूर जैसे नए चहरे भी दिखे।

इस सीजन की अब तक की सबसे पॉपुलर कंटेस्टेंट की बात करें तो उसमें शालिनी पासी का नाम टॉप पर है। नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाली शालिनी पासी एक आर्ट कलेक्टर हैं। शालिनी ने अपने ग्लैमर और स्टाइल से सबको हैरान कर दिया और वो इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं।

शालिनी के पॉपुलरिटी से महीप को था डर?

हाल ही में करण जौहर ने अपेन सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में करण जौहर शफेब्युलस लाइफ ऑफबॉलीवुड वाइव्सश् की कंटेस्टेंट महीप कपूर के साथ बात कर रहे थे। करण उनसे पूछते हैं कि क्या महीप आप शालिनी पासी की पॉपुलरिटी से डर रही हैं? इसके जवाब में महीप कोई रिएक्शन नहीं देती हैं। इसके बाद भी जब करण उनसे दोबारा पूछते हैं तो वे कैमरा बंद करने को कहती हैं। महीप जवाब देते हुए कहती हैं कि मैं आपके सवाल का जवाब नहीं दूंगी। इसके बाद करण जौहर चुपचाप कैमरा बंद कर देते हैं।

कंगना रनोट ने सलमान खान को बताया अपना 'अच्छा दोस्त'

कंगना रनोट इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में कंगना ने सलमान खान को अपना अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने कहा कि सलमान के साथ उन्हें कई बार काम करने के मौके मिले, लेकिन अब तक ऐसा हो नहीं सका। फिर भी कंगना ने उम्मीद जताई कि भविष्य में उनके साथ काम करने का मौका जरूर मिलेगा। न्यूज 18 के साथ बातचीत के दौरान कंगना रनोट ने सलमान खान के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात की। कंगना ने कहा, 'सलमान मेरे अच्छे दोस्त हैं। हमारे पास कई मौके आए हैं जब हम साथ में काम कर सकते थे, लेकिन किसी न किसी कारण अब तक हम साथ में काम नहीं कर पाए। लेकिन मुझे उम्मीद है कि जल्द ही हम दोनों एक साथ काम जरूर करेंगे।श् इसके अलावा सिद्धार्थ कन्नन के साथ अपने हालिया इंटरव्यू में कंगना ने कहा था, 'सलमान ने मुझे बजरंगी भाईजान में एक रोल ऑफर किया था। मैंने हैरान होकर उनसे कहा था कि यह क्या रोल दिया है? फिर उन्होंने मुझे सुल्तान फिल्म के टाइम पर भी कॉन्टैक्ट किया था। मैंने वह भी नहीं लिया। ऐसे में उन्होंने मुझसे कहा था कि अब तुम्हें और क्या ऑफर करूं?श् कंगना की मानें तो उन्होंने भले ही सलमान के ऑफर को ठुकरा दिया था, लेकिन सलमान हमेशा उनसे अच्छे से पेश आते हैं और उनसे बात करते रहते हैं। कंगना ने यह भी कहा कि सलमान इमरजेंसी फिल्म देखने के लिए भी बहुत एक्साइटेड हैं। 17 जनवरी को रिलीज होगी फिल्म इमरजेंसी कंगना की फिल्म इमरजेंसी 1975 से 1977 के 21 महीने की अवधि पर आधारित है। जब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में खतरों का हवाला देते हुए पूरे देश में इमरजेंसी की घोषणा की थी। फिल्म में कंगना पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कंगना रनोट ने अपनी फिल्म इमरजेंसी की शनिवार को नागपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के लिए स्पेशल स्क्रीनिंग रखी थी। इस दौरान अनुपम खेर भी मौजूद थे। फिल्म देखने के बाद नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों से फिल्म देखने की अपील की। कंगना ने करण के साथ काम करने पर किया कमेंटरूबोलीं- उन्हें मेरे साथ मूवी करनी चाहिए, मैं उन्हें अच्छा रोल दूंगी कंगना रनोट इन दिनों फिल्म इमरजेंसी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या वो करण जौहर के साथ किसी फिल्म में काम करेंगी।

फिल्ममेकर करण जौहर अपनी फिल्मों के साथ पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा से सुर्खियों में रहे हैं. उनकी पर्सनल लाइफको लेकर लोगों में काफी इंटरेस्ट रहता है. वैसे तो अपनी पर्सनल लाइफके बारे में करण खुलकर बात करते नजर आते हैं. इस बार उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके बता दिया है कि वो किसे डेट कर रहे हैं. करण का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. करण का ये पोस्ट काफी मजेदार है. जिसे देखकर लोग खूब हंस भी रहे हैं. उन्होंने बताया है कि जिसे वो डेट कर रहे हैं वो उनके बिल भी भरते हैं. इंस्टाग्राम को डेट कर रहे हैं करण करण ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा– श्मैं इंस्टाग्राम को डेट कर रहा हूं. ये मेरी सुनता है... मुझे मेरे सपनों को फॉलो करने के लिए कहते हैं और मेरे बिल भी भरता है. प्यार ना करना क्या होता है?श् करण जौहर का ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है. किसे डेट कर रहे हैं करण जौहर, फिल्ममेकर ने खुद कर दिया खुलासा अकेलेपन के बारे में बात कर चुके हैं बीते साल दिवाली के दौरान करण ने अकेलेपन के बारे में बात की थी. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा था– श्दिवाली की रातें, इतनी मुलाकातें, इतनी सारी बातें, भीड़ में फिर भी तन्हाई, सिंगल स्टेटस से कब होगी जुदाई.श् वर्कफ्रंट की बात करें तो करण जौहर ने हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ रैंपवॉक किया था. करण इस दौरान ऑल व्हाइट आउटफिट में नजर आए. उन्होंने साटिन शर्ट के साथ ट्राउजर और ट्रेंच कोट पहना था. करण ने अपने लुक को डायमंड नेकलेस के साथ कंप्लीट किया था. उन्होंने अपने इस लुक में फोटोज भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं. करण जल्द ही नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एक सीरीज को डायरेक्ट करने जा रहे हैं. उन्होंने आखिरी बार फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को डायरेक्ट किया था.

हिन्दी दैनिक
तीसरा विकल्प न्यूज़
लखनऊ से प्रकाशित

भारतीय क्रिकेट में ड्रामा जारी

10 नीतियों के बारे में किसने बताया? नियमों पर सवाल पूछे जाने पर भड़के रोहित

मुंबई। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारत के कप्तान रोहित शर्मा से बीसीसीआई के दिशानिर्देशों पर अपने विचार साझा करने के लिए कहा गया था। हालांकि, रोहित ने रिपोर्टर पर अपना आपा खो दिया और उन्हें बीसीसीआई से आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा करने के लिए कहा। भारतीय क्रिकेट में हाईवोल्टेज ड्रामा जारी है। शनिवार को मुख्य अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा ने चौंपियंस ट्रॉफी और इंग्लैंड के खिलाफतीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए टीम का एलान किया। हालांकि, इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कई ऐसी चीजें रहीं जिसने फैंस का ध्यान खींचा है। इसने फैंस को भ्रमित कर दिया है। दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस में अगरकर और रोहित से बीसीसीआई द्वारा लगाई गई 10 नीतियों के बारे में सवाल पूछे गए। एकतरफजहां अगरकर ने नियमों को लागू करने के पीछे की वजहें बताई, वहीं रोहित मीडिया पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि आपको नीतियों के बारे में किसने बता दिया। क्या यह बीसीसीआई के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से आया है? रोहित ने आपा खोया शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारत के कप्तान रोहित शर्मा से बीसीसीआई के दिशानिर्देशों पर अपने विचार साझा करने के लिए कहा गया था। हालांकि, रोहित ने रिपोर्टर पर अपना आपा खो दिया और उन्हें बीसीसीआई से आधिकारिक पुष्टि की प्रतीक्षा करने के लिए कहा। रोहित ने कहा, श्इन नियमों के बारे में आपको किसने बताया? क्या यह आधिकारिक हैंडल से आया है? इसे पहले आने दो और उसके बाद हम बात करेंगे।श् वहीं, अगरकर का बयान इससे अलग दिखा। अगरकर ने नियमों पर बात की अगरकर ने कहा, श्मेरा मानना है कि हर टीम के अपने नियम होते हैं। पिछले कुछ महीनों में हमने उन क्षेत्रों पर चर्चा की है जहां हम एक टीम के रूप में संबंधों को बेहतर और मजबूत कर सकते हैं। हमने महसूस किया है कि बेहतर टीम एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए कुछ बदलावों की आवश्यकता है।श् अगरकर ने आगे स्पष्ट किया कि नए नियम सजा नहीं हैं और ऐसे दिशानिर्देश पहले भी मौजूद रहे हैं। उन्होंने अपने देश का प्रतिनिधित्व करते समय इन नियमों का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। अगरकर ने कहा, श्यह खिलाड़ियों को छात्रों जैसा व्यवहार करने या उन्हें दंडित करने के बारे में नहीं है। बस कुछ नियम हैं और जब आप अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए खेल रहे होते हैं, तो आप उनका पालन करते हैं। ये परिपक्व पेशेवर हैं और अंतरराष्ट्रीय खेल में अपने आप में सुपरस्टार हैं। वे जानते हैं कि खुद को कैसे प्रबंधित करना है। आप अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, और कुछ अपेक्षाएं हैं जिनका आपको पालन करना चाहिए, जैसा कि किसी भी टीम के साथ होता है। अगरकर और रोहित के बयान में स्पष्ट अंतर ऐसे में अगरकर और रोहित के बयान में स्पष्ट अंतर है। इतना ही नहीं, अगरकर रोहित को नियमों का पता नहीं था तो वह कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में अगरकर को परिवार वाले नियमों के बारे में बताते क्यों दिखे? बीसीसीआई के 10 फरमानों में से एक में यह कहा गया है कि खिलाड़ियों को दौरे पर अपने परिवार के साथ दो हफ्ते से ज्यादा अवधि तक रुकने की इजाजत नहीं होगी। इस नियम को लेकर रोहित माइक ऑन रहते हुए अगरकर से कहते दिखे- श्मुझे वापस सचिव के साथ बैठना पड़ेगा। ये सब चीज फैमिली का, अब सब मेरे को पूछ रहे हैं।श् दिलचस्प बात है कि रोहित इतना कहकर रुक गए और पत्रकारों से बात करने लगे। क्या है 10 सूत्रीय नीति? बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर दिशा-निर्देशों की घोषणा नहीं की है, लेकिन मीडिया की खबरों में ये 10 सूत्री निर्देश सामने आ चुके हैं। इसके अनुसार, बीसीसीआई ने इसके अलावा सभी खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य कर दिया गया था और विदेशी दौरे पर निजी स्टाफ पर रोक लगा दी थी।इसके अलावा खिलाड़ी सीरीज के दौरान व्यक्तिगत विज्ञापन की शूटिंग भी नहीं कर पाएंगे।ध्10 सूत्रीय नीति का पालन करना अनिवार्य होगा। अगर ऐसा नहीं हुआ तो बीसीसीआई कार्रवाई करेगा।ध्अब से खिलाड़ियों को दौरे में अलग से यात्रा की अनुमति नहीं होगी तथा मैच के जल्दी समाप्त होने पर उन्हें जल्दी नहीं जाने दिया जाएगा।घ् यह नीति राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में अनुशासन और एकजुटता को बढ़ावा देने के लिए लागू की गई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज हार और न्यूजीलैंड के खिलाफ घर पर सूपड़ा साफ होने के बाद टीम में गुट बनने और खिलाड़ियों के एकसाथ न बैठने की खबरें सामने आ रही थीं। ऐसे में बीसीसीआई ने इस नीति को लागू करना आवश्यक समझा ताकि खिलाड़ियों के प्रदर्शन और प्रतिबद्धता को बेहतर किया जा सके।

रोहित पाकिस्तानजाएंगे या नहीं

बीसीसीआई के नए सचिव बने देवाजती सैकिया ने कप्तानों की बैठक में रोहित के भाग लेने पर खुलकर बात की और दावा किया कि अभी तक उन्हें ऐसा कोई प्रस्ताव पीसीबी की तरफसे नहीं मिला है। टेलीग्राफसे बात करते हुए देवजीत सैकिया ने बताया कि आईसीसी के साथ इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है।

कप्तान रोहित शर्मा को लेकर पिछले कुछ दिनों से अटकलें लगाई जा रही थी कि वो चौंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट 2025 से पहले पाकिस्तान जाएंगे। जहां कप्तानों की बैठक में हिस्सा लेंगे। कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रोहित शर्मा कम से कम एक बार पाकिस्तान जाएंगे, लेकिन अब इस मामले पर बीसीसीआई ने अपनी चुप्पी तोड़ दी है। वहीं बीसीसीआई के नए सचिव देवाजती सैकिया ने कप्तानों की बैठक में रोहित के भाग लेने पर खुलकर बात की और दावा किया कि अभी तक उन्हें ऐसा कोई प्रस्ताव पीसीबी की तरफसे नहीं मिला है। टेलीग्राफसे बात करते हुए सैकिया ने बताया कि आईसीसी के साथ इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। इसका मतलब है कि रोहित शर्मा के चौंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावना कम है। देवजीत सैकिया ने आगे कहा कि ऐसा कई प्रस्ताव नहीं मिला है और आईसीसी के साथ हमारी चर्चा में ये शामिल नहीं था। हालांकि, सैकिया ने कप्तानों की बैठक में रोहित शर्मा के हिस्सा लेने की पुष्टी नहीं की, लेकिन एक करीबी सूत्र ने इसे बहुत ही नाजुक स्थिति बताया और कहा कि इस मामले को काफी संभलकर हैंडल करने की जरूरत है क्योंकि पाकिस्तान इस टूर्नामेंट का मेजबान है। वैसे भारत अपने सभी मैच यूएई में खेलेगा और टीम इंडिया का पहला मैच बांग्लादेश के साथ 20 फरवरी को होगा। पीटीआई के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले ही अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद को साफ कर दिया है कि चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का उद्घाटन समारोह पाकिस्तान से बाहर नहीं किया जाएगा। इस समारोह में सभी देशों के कप्तान शामिल होंगे। 29 साल के लंबे अंतराल के बाद पाकिस्तान में किसी आईसीसी इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए पीसीबी भव्य समारोह की योजना बना रहा है।

आईपीएल चैंपियन कोलकाता का कोई खिलाड़ी टीम इंडिया में नहीं

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स के किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया। वहीं, पांच बार की चौंपियन मुंबई के तीन खिलाड़ी हैं। चौंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। शनिवार को चयनकर्ताओं ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की। किसी के चोटिल होने या बाहर होने पर आईसीसी के दिशा-निर्देशों के मुताबिक अगले महीने 13 फरवरी तक इसमें बदलाव करने की छूट है। भारत को इससे पहले इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। उसके लिए भी लगभग यही टीम है। ऐसे में बदलाव होने की संभावना बेहद कम दिख रही है। भारतीय टीम में सबसे ज्यादा मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी हैं। वहीं, चौंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का कोई खिलाड़ी टीम में नहीं है। आइए जानते हैं कि आईपीएल की किस फ्रेंचाइजी से कितने और कौन-कौन से खिलाड़ियों का चयन टीम इंडिया में हुआ है... कोलकाता का कोई खिलाड़ी टीम में नहीं हाल ही में एक रिपोर्ट सामने आई थी कि बीसीसीआई भारतीय कोचिंग स्टाफ में कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रभाव से नाखुश है। भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में गंभीर के अलावा रेयान टेन डेशकाटे और अभिषेक नायर हैं। ये तीनों पिछले आईपीएल सीजन में कोलकाता की टीम से जुड़े हुए थे। इसकी नतीजा यह हुआ कि टीम में कोलकाता नाइट राइडर्स के किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया गया। वहीं, पांच बार की चौंपियन मुंबई के तीन खिलाड़ी हैं। इनमें कप्तान रोहित के अलावा हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स के भी तीन खिलाड़ी टीम में हैं। इनमें केएल राहुल, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव शामिल हैं। गुजरात और पंजाब के दो-दो खिलाड़ी टीम में गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स के दो-दो खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है। गुजरात फ्रेंचाइजी से शुभमन गिल और वॉशिंगटन सुंदर भारतीय स्क्वॉड में हैं। गिल भारतीय टीम के नए उपकप्तान भी हैं। वहीं, पंजाब फ्रेंचाइजी से अर्शदीप सिंह और श्रेयस अय्यर को मौका दिया गया है। बाकी पांच फ्रेंचाइजी से एक-एक खिलाड़ी को भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इनमें चेन्नई सुपर किंग्स के रवींद्र जडेजा, लखनऊ सुपर जाएंट्स के ऋषभ पंत, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विराट कोहली, राजस्थान रॉयल्स के यशस्वी जायसवाल और सनराइजर्स हैदराबाद के मोहम्मद शमी शामिल हैं।

कौन हैं सितांशू कोटक?

बीसीसीआई ने सौराष्ट्र के ऑलराउंडर सितांशू कोटक को इस घरेलू सीरीज के लिए बल्लेबाजी कोच चुना है। भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। इसकी शुरुआत 22 जनवरी से होगी।

22 जनवरी से भारत और इंग्लैंड के बीच टी20 सीरीज का आगाज होना है। इस सीरीज में भारतीय टीम के पास बल्लेबाजी कोच भी होगा। बीसीसीआई ने सौराष्ट्र के ऑलराउंडर सितांशू कोटक को इस घरेलू सीरीज के लिए बल्लेबाजी कोच चुना है। भारत को इंग्लैंड के खिलाफपांच टी20 और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलनी है। इसकी शुरुआत 22 जनवरी से होगी।

सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, कोटक बतौर बल्लेबाजी कोच टीम इंडिया के साथ जुड़ेंगे। टीम इंडिया कोलकाता में तीन दिन का कैंप करेगी जिसके लिए खिलाड़ी 18 तारीख तक वहीं पहुंचेंगे। टीम इंडिया इस समय में मुख्य कोच गौतम गंभीर, अभिषेक नायर (सहायक कोच), रेयान टेन डोएशेट (सहायक कोच), मोर्ने मार्केल (गेंदबाजी कोच) और टी दिलीप के साथ खेल रही है। अब इस दल में एक और एंट्री हो गई है। फिलहाल, गुजरात में जन्मे सितांशु कोटक ने अपने करियर में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। उन्होंने लिस्ट ए के मुकाबलों में 42.33 के औसत से 3083 रन बनाए हैं। वह क्रिकेट की दुनिया में अपनी शानदार टेक्नीक के लिए जाने जाते हैं। सौराष्ट्र के इस खिलाड़ी ने 130 फर्स्ट क्लास मैच में उन्होंने 41.76 के औसत से 8061 रन बनाए हैं जिसमें 15 शतक लगाए हैं। वहीं 9 टी20 मैचों में उनके नाम 133 रन है। कोटक घरेलू क्रिकेट में 11 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं। कोटक इससे पहले इंडिया ए के साथ काम कर चुके हैं। उन्होंने वीवीएस लक्ष्मण के साथ काम किया है। इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी ने भारत के बल्लेबाजी कोच बनने से दिलचस्पी दिखाई है।

संजू सैमसन ने की ईशान-अय्यर जैसी गलती

आईसीसी चौंपियंस ट्रॉफी 2025 का आगाज अगले महीने 19 फरवरी को होना है। इसके लिए सभी 8 टीमों में से 6 टीमों ने अपने स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है। वहीं कहा जा रहा है कि, भारतीय टीम का ऐलान 19 जनवरी को किया जा सकता है। टीम सेलेक्शन से पहले विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, संजू सैमसन को चौंपियंस ट्रॉफी से बाहर रखा जा सकता है। साथ ही उनपर बीसीसीआई एक्शन भी ले सकता है। बता दें कि, संजू का केरल क्रिकेट संघ के साथ कथित तौर पर विवाद हो गया था। बता दें कि, संजू सैमसन ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 की शुरुआत से पहले केरल टीम के प्रैक्टिस कैम्प को जॉइन करने में अनुपलब्धता व्यक्त की थी। इसके चलते उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी के लिए केरल की टीम में नहीं सेलेक्ट किया गया था। केसीए सचिव विनोद एस कुमार ने कहा था कि एसोसिएशन नहीं चाहता कि सैमसन की उपलब्धता पर अनिश्चितता के कारण कोई युवा अपनी जगह खो दे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक बीसीसीआई के टॉप अधिकारी और चयनकर्ता सैमसन के विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर रहने के फैसले से खुश नहीं है। बोर्ड ने स्पष्ट तौर पर कहा कि टीम इंडिया में सेलेक्शन का आधार घरेलू क्रिकेट रहेगा। ऐसे में खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट निश्चित तौर पर खेलना होगा। ईशान किशन और श्रेयस पड़ी थी गाज गौरतलब है कि, पिछले साल ईशान किशन और श्रेयस अय्यर ने बिना अनुमति के घरेलू मैच नहीं खेला जिसके कारण उन्हें अपना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट गंवाना पड़ा। सैमसन के मामले में बोर्ड और चयनकर्ताओं को कोई कारण नहीं बताया गया कि वह टूर्नामेंट से क्यों चूक गए, अब तक जो कुछ भी पता चला है कि वह ये है कि वह अपना अधिकांश समय दुबई में बिताते हैं। टाइम्स ऑफइंडिया के हवाले से बीसीसीआई के सूत्रों ने कहा कि, चयनकर्ता और बोर्ड घरेलू क्रिकेट के महत्व पर बहुत स्पष्ट हैं।

विराट कोहली नहीं खेल पाएंगे रणजी ट्रॉफी मुकाबला! गर्दन में आई मोच

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया के फ्लॉप शो के बाद स्टार खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली के रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में खेलने की उम्मीद थी। हालांकि, दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने-अपने बोर्ड को खेलने को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड का आगाज 23 जनवरी से होने जा रहा है। हालांकि, विराट कोहली के घरेलू मुकाबला खेलने पर संशय और बढ़ गया है। दरअसल, ज्य् के मुताबिक विराट कोहली की गर्दन में मोच आई है, जिसके लिए उन्होंने इंजेक्शन भी लिया है। 23 जनवरी से दिल्ली को सौराष्ट्र के खिलाफ अपना अगला मुकाबला खेलना है, उनकी खेलने पर सस्पेंस बढ़ गया है। हालांकि, दिल्ली एंव जिा क्रिकेट संघ का कहना है कि उन्हें अभी तक कोई अपडेट नहीं मिला है। टाइम्स ऑफ इंडिया के हवाले से एक सूत्र ने बताया कि संभवाना है कि वह बचे हुए दो रणजी ट्रॉफी मैचों में से पहले मैच को छोड़ दें और अगर डीडीसीए चयनकर्ताओं को अपडेट दिया जाता है तो तस्वीर साफ हो सकती है। फिलहाल, कोहली के किसी न किसी स्तर पर दिल्ली की टीम में शामिल होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है और अगर वह सौराष्ट्र के खिलाफमैच शुरू होने से पहले राजकोट में टीम के साथ ट्रेनिंग करते हैं तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा। दिल्ली की टीम 20 जनवरी को रवाना होगी और मैच शुरू होने से पहले दो ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लेगी।

बीसीसीआई ने 10 सूत्री निर्देश जारी किए, घरेलू क्रिकेट अनिवार्य, परिवार के दौरे पर रहने पर पाबंदी

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय क्रिकेट टीम में 'अनुशासन और एकजुटता' को बढ़ावा देने के लिए 10 सूत्री नीति जारी की जिसमें घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य, दौरे पर परिवार और निजी स्टाफ की मौजूदगी पर पाबंदी और श्रृंखला के दौरान व्यक्तिगत विज्ञापन पर प्रतिबंध जैसे कई उपाय शामिल हैं। इस नीति का पालन नहीं करने पर खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया जाएगा जिसमें केंद्रीय अनुबंधों से उनकी रिटेनर फीस में कटौती और लुभावनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने पर रोक शामिल है। ऑस्ट्रेलिया के दौरे में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद इन निर्देशों की घोषणा की गई है जिसके पहले न्यूजीलैंड के खिलाफघरेलू श्रृंखला में वाइटवाश का सामना करना पड़ा था। बोर्ड ने विदेशी दौरों के दौरान खिलाड़ियों के साथ परिवारों के रहने के लिए केवल दो सप्ताह की अवधि को मंजूरी दी है, इसके अलावा निजी स्टाफ और व्यावसायिक फोटो शूट पर प्रतिबंध लगाए हैं। बोर्ड की नीति में कहा गया है, ''इसमें किसी भी अपवाद या विचलन को चयन समिति के अध्यक्ष और मुख्य कोच द्वारा पूर्व-अनुमोदित किया जाना चाहिए।

फेक न्यूज फैलाने वालों पर भड़के जसप्रीत बुमराह, बेड रेस्ट की आई थी रिपोर्ट

टीम इंडिया के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को लेकर इन दिनों कई अफवाह आ रही हैं। कई रिपोर्ट में तो ये भी दावा किया जा रहा है कि बुमराह को बेड रेस्ट की सलाह दी गई है। अब इन तमाम मीडिया रिपोर्ट पर खुद बुमराह ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस दौरान कहा कि फेक न्यूज फैलाना आसान है। इसका मतलब है कि बुमराह को बेड रेस्ट नहीं दिया गया है। बता दें कि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर खेली गई पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के आखिरी मुकाबले में बुमराह को बैक स्पाज्म हुआ था

वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद अब टाटा स्टील शतरंज में हिस्सा लेंगे डी गुकेश

डी गुकेश विश्व चौंपियन बनने के बाद शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। दिसंबर में सिंगापुर में विश्व चौंपियनशिप जीतने के बाद गुकेश ने न्यूयॉर्क में विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था।

कोचिंग स्टाफमें केकेआर के प्रभाव से खुश नहीं है बीसीसीआई, डेशकाटे और अभिषेक नायर पर गिर सकती है गाज

मुंबई। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर और नीदरलैंड के पूर्व स्टार रयान टेन डेशकाटे पिछले साल श्रीलंका के दौरे पर बतौर सहायक कोच टीम इंडिया से जुड़े थे। नायर और डेशकाटे आईपीएल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में भी सहायक कोच थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में हार के बाद भारतीय क्रिकेट में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। एक सूत्र के मुताबिक, टीम इंडिया के सहायक कोच रेयान टेन डेशकाटे और अभिषेक नायर की भूमिका जांच के दायरे में। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) टीम प्रबंधन में स्पष्ट श्कोलकाता नाइट राइडर्स के प्रभावश् से खुश नहीं है। डेशकाटे और नायर पर लटकी तलवार पूर्व भारतीय ऑलराउंडर अभिषेक नायर और नीदरलैंड के पूर्व स्टार रयान टेन डेशकाटे पिछले साल श्रीलंका के दौरे पर बतौर सहायक कोच टीम इंडिया से जुड़े थे। नायर और डेशकाटे आईपीएल की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स में भी सहायक कोच थे और गंभीर के साथ काम किया था। गंभीर की देखरेख में कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी ने सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर इंडियन प्रीमियर लीग का 2024 संस्करण जीता था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, श्रीमती विजय लक्ष्मी शर्मा द्वारा त्रिपाठी प्रिंटिंग प्रेस 12/29, पुराना किला, कैण्ट रोड, लखनऊ 226001 (उ.प्र.) से मुद्रित कराकर 1372/12 न्यू गुडौरा बेहसा श्हीदपथ लखनऊ 226008 (उ.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-अनूप सिंह
आरएनआई न० UPHIN/2023/87118 मोबाइल नं. 7905289865,9839177720 Email- tvnews1979@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।